Published on 5th of Every Month ● Posting on 8th & 9th of every Month ● Patrika Channel Sorting Office, Mumbai - 400001

अच्छे बुरे की तम को खबर देके जाउंगा. चेहरों को पढने वाली नजर देके जाउंगा. यारों मैं इस जमाने का वो संगतराश हं. पत्थर को बोलने का हनर दे के जाउंगा

वर्ष : 09 * अंक : 03 * March : 2020 * मुंबई * संपादक : शमीम एजाज हुदा * पृष्ठ : 36 * मूल्य : 30/- रु.

World Memon Day celebration began with offering Chadar sharif to the Shrine of Khwaja Moinuddin Chishty R.A



World Memon Day Celebration begans with the Chadar Sharif offering to the Shrine of Hazrat Khwaja Moinuddin Chishty R.A Ajmer

Mr. Igbal Memon Officer President All India Memon Jamat Federation as well as Dy President of International Memon Organization was felicitated and Honored with National

Integration Award by Khwaja Gharib Nawaz Dargah Committee Chairman And Under Ministry of Minority Affairs, Govt of India.

A message of peace and harmony between all communities is necessary, we need to make efforts by helping and participate in every possible way to serve in social causes and help each other without discrimination of caste, creed, religion. The Dargah of Khwaja

Gharib Nawaz is the perfect example of secularism, where people from all castes around the world pay visit to get blessings, said Mr. Iqbal Memon Officer while addressing

the media.

Friday 28th Feb 2020 evening Mr. Iqbal Memon Officer with all Jamat's representatives offered Chaadar sharif to Hazrat Moinuddin Chishty R.A shrine on behalf of entire Memon community, along with Dargah Committee Chairman Mr. Amin Pathan, member Mr. Faruq Aazam, Khadim Committee Chairman Sayed Gaus Qibriya along with many more delegates.



Mr Iqbal Memon Officer receiving National Integration Award by Ministry of Minority Affairs Govt of India







From the desk of Mr IQBAL MEMON OFFICER

Dear All Assalamu Alaikum Alhamdulillah, 11th April, 2020 is approaching fast

which reminds us about the celebration of 'WORLD MEMON DAY'

WORLD MEMON DAY is being celebrated among 500 Jamats in India and throughout the world i.e. Madina Munawwara, Makkah Mukarrama, Baghdad Iraq, Iran, Bahrain, Muscat, Oman, Japan, USA, UK, Malawi, Mozambiq, Zanjibar, Kenya, South Africa, East Africa, Australia, Canada etc by doing charitable / social activities i.e. Distribution of Fruits in Hospital, Providing Meal in Orphanage, Conducting Blood Donation Camp, Medical Camp, Hijama Camp, Inauguration of Free Ambulance Services, School Kit distribution in Govt Schools, Wheel Chair Distribution, Seminars, Unity and Brotherhood Programmes, Educational Awareness Programmes, National Integrity etc irrespective of caste, creed and religion.

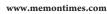
The objective of World Memon Day is to unite the Global Memon Community and provide a broad spectrum of humanitarian services to the less fortunate of the World. The essence of World Memon Day is to Unite, Uphold and Uplift Mankind and to initiate endeavours to Serve Humanity on the 11th of April.

WORLD MEMON DAY is flourishing due to your kind support and cooperation and I request you all, please celebrate the same by executing social, charitable causes for the benefit of masses at large.

May Almighty ALLAH give you all best Ajar and bless us all with good deeds, Ameen.

Iqbal Memon Officer

President All India Memon Jamat Federation www.memontimes



Editor

Shamim Aijaj Huda

Content Writer & Graphic Designing

Nayeem Akhtar (Nazish)

Web Developer

Zahid Khan

Multimedia & Broadcasting

Riyaz M. Umar Mewawala

Accounts & Admin

Mohammed Shoeb Abbasi

Marketing Team

Shahzad Sarfaraz Shaikh

BackOffice Team

Mohammed Haroon Pathan Israr Ahmed



Contact: 9022224548 / 49

Join With Us



memontimesindia



Memon Times



www.memontimes.com



memontimesofficial@gmail.com



A/C NAME: MEMON TIMES BANK NAME: BANK OF BARODA

A/c No. 03920100027104

IFSC: BARBOCRAWFO

AIMJF Inauguration of Industrial Training Centre Vasai Unit



Mr Iqbal Memon Officer inaugurating Vasai Industrial Training Centre

ALLINDIA MEMON JAMAT FEDERATION

Inauguration of Industrial Training Centre Vasai Unit Inauguration Ceremony of Industrial Training Centre was held on Sunday, 16/02/2020 in Vasai.

700 (approx) persons were present including 50 prominent personalities. Programme was commenced with recitation of verses from the Holy Quran. Mr Imran Fruitwala welcomed all the Guests.

Industrial Training Centre was inaugurated by the hands of Mr Sagir Dange, Mr Iqbal Memon Officer & Mrs Razia Bai Chasmawala.

Mr Iqbal Memon Officer was felicitated with the title of

"Rehnuma e Memon Qaum"

Mr Iqbal Memon Officer appreciated the social activities of Mrs Razia Bai Chasmawala and requested all to derive maximum benefit from the said centre.

He further stated that AIMJF will start many more such centers in Maharashtra, Saurashtra and Gujrat.

Main aim of starting such centre is to promote income generating skilled courses in society so that women of society should derive benefit from the same and become self sufficient and live their life with dignity and self esteem.

Our motto is to transform takers to givers.

Programme was dispersed at 9pm with a vote of thanks.





रज्जबुल मुरज्जब

इस्लामी तारीख का सातवाँ महीना

रज्जबुल मुरज्जब है। इस की

वजहे तसमिया ये है कि इस महीने

को अल्लाह तआला का महीना

कहते थे। और इस की ताजीम

करते थे। इस लिये इस को रजब

हजरत अनस बिन मालिक र. से

रिवायत है कि नबी-ए-करीम ने

इरशाद फर्माया : जन्नत में एक

नहर है जिसे रजब कहाजाता है।

जो दुध से जियादा सफेद और

शहद से जियादा मीठी है तो जो

कोई रजब का एक रोज़ा रखे गा

तो अल्लाह तआ़ला उसे उस नहर से सैराब करेगा। रजब का महीना

इन चार महीनों में से है जिन को

अशहुरुल हुरुम कहा गया है।

हुरमत वाले चार महीने ये हैं।

मुहरमं, रजब, जिकेदा, जिल

हिज्जा। जमाना ऐ जाहिलीयत में

था इन महीनो का बड़ा एहतेराम

करते थे हत्ता कि इस महीने में बाप

दादा का कातिल भी मिल जाता तो

उस को भी नहीं छेड़ते थे, कुर्आन

मजीद में इन महीनों को हुरमत

वाला कहा गया है।

के नाम से मौसूम किया जाता है।

मेमन इत्तेहाद ज़िन्दाबाद

हम मुसलमानों में एक अहम चीज़ है इत्तेहाद जो हमारी खुसूसियत को बयान करती है वही चीज़ हमारे दरिमयान से जाती हुई नज़र आरही है हमें अपना किरदार उभारने के लिए और अपने आप को मज़बूत बनाने के लिए इत्तेहाद और इत्तेफाक़ का दामन नहीं छोड़ना चाहिये।

इत्तेहाद का महलब है मिल जुल कर समाजी, फलाही और इस्लाही काम करना, एक राय होना, दूसरों को समझना है, अकेले इंसान की कोई अहमियत नहीं है। गृर्ज़ नमाज़ों में भी जमात से नमाज़ पढ़ने पर २७ गुना ज़्यादा सवाब है, अकेले पढ़ने वाले पर यहां भी इजतेमाईयत को तरजीह दी गई है, चाहे मुस्लिम हो या ग़ैर मुस्लिम हमें सब के साथ इत्तेहाद के साथ मिल जुल कर रहना चाहिये। मगर अफसोस है कि आज हमारे खुद के घरों में इत्तेहाद और इत्तेफाक़ की कमी है। पहले हमें अपने घरों में इत्तेहाद पैदा करना होगा तब ही हम बड़े पैमाने पर समाजी, फलाही और इसलाही काम कर सकेंगे। अगर हमारे घरों में इत्तेहाद नहीं तो हम समाज में कैसे इत्तेहाद को फरोग देंगे।

हम सब से पहले अपनी इसलाह करें और अपने घरों में इत्तेहाद क़ायम करने की भर पूर कोशिश करें इस में छोटे बड़े मर्द व औरत सब को मिल कर कोशिश करनी होगी और इंशाअल्लाह हमारी कोशिश ज़रूर कामयाब होगी और दुनिया के तमाम लोग आपस में मेल मिलाप और मोहब्बत के साथ दुनिया में पुर अमन ज़िन्दगी बसर करेंगे।

इस्लामी

तारीख

हुजूर 👺 का मुअजिजा

रसूलुल्लाह 🎏 ने हजरत उमर र. के लिये दुआ फर्माई के ए अल्लाह! उमर बिन खताब के जिरये इस्लाम को इज्जत व बुलंदी अता फर्मा, चुनान्चे ऐसा ही हुआ कि अल्लाह तआला ने इस्लाम को हजरत उमर र. के जिरये बुलंदी और शौकत अता फर्माई कि दुनिया उस का एतेराफ करती है। (इबने माजा: १०४, अन

आयशा रजिअल्लाहु तआला अन्हा)

तिब्बे नववी स. से इलाज

हजरत तल्हा र. फर्माते हैं कि मैं रसुलुल्लाह की खिदमत में हाजिर हुआ तो आप सलल्लाहु अलैहि वसल्लम के मुबारक हाथ में एक सफर जल (बही) था फिर आप सलल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फर्माया : तल्हा इसे लो, क्योंकि यह दिल को सुकून पहुंचाता है।

(इबने माजा: ३३६९)

हम दरख़्त को दरख़्त इस लिए कहते हैं कि कयोंकि इस में टहनी, पत्ती, शाखें, फल सब होता है तब जा कर दरख़्त कहलाता है। अकेला फल या फूल दरख़्त नहीं कहलाता इस लिए हमें भी मिल जुल कर इत्तेहाद से मजबूत दरख्त बनाना पडेगा तब ही



कामयाबी हासिल होगी अगर आपस में ही लड़ते रहे तो तरक़की कैसे होगी। अकेला फूल, फल, पत्ता ज़्यादा दिन तक नहीं रह सकता, जब तक साथ साथ है तब तक ताज़ा है। अलग होते ही नेस्त व नाबूद होजाता है। एैसे ही हम लोगों को दरख़्त बन जाने की कोशिश करनी चाहि। आज हम को अपनी सोच बदलने की कोशिश करनी चाहिए और इत्तेहाद के साथ मिल जुल कर अपनी जिन्दगी बसर करनी चाहिए।

आज अलहमदुल्लाह हमारी मेमन क़ौम समाजी, फलाही, इसलाही और सक़ाफती तौर पर पूरी तरह मुत्तिहिद होकर खिदमात अंजाम दे रही है। आल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की सालाना जनरल मिटींग (ए. जी. एम) में पूरे मुल्क की ५०० मेमन जमातों के नुमाईंदे शरीक हो कर अपने इत्तेहाद और यकजहती का हर साल शांदार मुज़ाहरा करते हैं। और मेमन क़ौम की फलाह व बहबूदी के लिए अपने अज़म का इज़हार करते हैं। ये अज़म व हौसला हमारे लिए फ़ख़र की बात है। अल्लाह हमारे इस इत्तेहाद व यकजहती और अज़म व हौसले को हमेशा बरक़रार रखे। (आमीन)

हजरत रुकय्या बिन्ते रसूलुल्लाह

हजरत रुकय्या र. हुजूर क्कि की दूसरी साहबजादी थी, वह पहले अबूलहब के बेटे उत्बा के निकाह में थीं, जब हुजूर को नुबुव्वत मिली मिली और लोगों को दावत देना शुरु किया, तो अबू लहब के हुकम पर उत्बा ने हजरत रुकय्या र. को तलाक दे दी, फिर हजरत उसमान र. से उन का निकाह हुआ, उन से एक लड़का अब्दुल्लाह पैदा हुए, हजरत रुकय्या र. हजरत उसमान र. के साथ हबशा हिजरत कर गईं।

हिजरत के वकत हुजूर 쁧 ने फर्माया: में शरीक न हें इस उम्मत में सब से पहले हिजरत करने मदफण हुईं।

वाले उस्मान र. और उन की अहलिया हैं। कुछ अर्से बाद दोनों हब्शा से मकका आऐ और फिर हिजरत कर के मदीना आ गऐ। गजवा-ए-बद्र के मौके पर हजरत रुकय्या र. बहुत बीमार हो गई थीं। इस लिये हुजूर सल्ललाहु अलैहि वसल्लम ने हजरत उसमान र. को उन की तीमारदारी के लिये रो दिया था और उसी बीमारी में सन २ हिजरी में हजरत रुकय्या र. का इन्तेकाल हो गया। जंगे बद्र में शिरकत की वजह से हुजूर अ उन की नमाजे जनाजा में शरीक न हो सके। वह जन्तुतल बकी में मदफण हुईं।

हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम की कौम की हालत

हजरत इब्राहीम अ. ने जिस खान्दान और माहौल में आँखें खोली, उस में शिर्क व बुत परस्ती और जलालत व गुमराही बिल्कुल आम थी। सारे लोग बुतों की पूजा करते और चाँद , सूरज और सितारों को अपनी हाजत व जरुरत पूरी करने का जिरया समझते। हर एक ने अल्लाह तआला की ताकत व कुदरत और वहदानियत को भूल कर बेशुमार चीजों को अपना माबूद बना लिया था। खुद हजरत इब्राहीम अ. के वालिद आज़र अनी कौम के मुख्ललिफ कबीलों के लिये लकड़ियों के बुत बनाते और लोगों के हाथों फरोखत किया करते थे। और फिर लोग इस की पूजा करते थे। यहाँ तक कि आजर खुद अपने हाथों से बनाऐ हुए बुतों की पूजा करते और उन से अकीदत व मुहब्बत का इजहार करते थे। ऐसी जहालत व गुमराही और हकक व सदाकत से महरुम माहौल में हजरत इब्राहीम अ. ने तौहीद की आवाज लगाई और लोगों को समझाया। मगर किसी ने आप की दावत को तस्लीम नहीं किया और सखती के साथ मुखालफत करने लगे।









THE MEMON CHAMBER OF COMMERCE ESTABLISHED 1929

Laiba Court, 1st Floor, 75, Mohammedali Road, Mumbai - 400 003.

इस्लामी सवालात -व-जवाबात

सवाल: फरिशते किस किस्म की मखलूक़ हैं?

जवाब: फरिशते पोशीदा नूरानी हसतियाँ हैं। उन का जिसमानी वजूद नहीं है। और वह

हमारी नज़रों से भी ओझल हैं।

सवाल:ग़ैर मुसलिम और मुशरिकीन-ए-अरब फरिशतों

के बारे में कया तसव्वर रखते थे ?

जवाब: वह फरिशतों को खुदा की बेटियाँ करार देते थे। उन की फर्ज़ी सूरतें बना कर उन के आगे नज़र व निायाज़ पेश करते थे।

सवाल: इस्लाम ने फरिशतों का कया तसव्वर

दिया?

जवाब: इस्लाम ने फरिशतों के बारे में हमें ये तसव्वुर दिया कि वह अल्लाह तआला की एक ऐसी मख्लूक़ हैं जो गुनाहों से पाक हैं। उन की फितरत ही ऐसी है कि वह अल्लाह तआला के अहकाम की नाफरमानी नहीं कर सकते।

सवाल: फरिशतों में सब से ज्यादा बरगजीदा फरिशता कौन था?

जवाब: उन में सब से ज़्यादा बरग़ज़ीदा फरिशता हजरत जिबराईल अलैहिस्सलाम था जिस के ज़रिये अल्लाह तआला अपने अंबिया पर वही भेजता था। रसूलुल्लाह स. पर हजरत जिबराईल अल. के जरिये ही करआन मजीद नाजिल हआ था।

सवाल: वह कौन से फरिशते हैं जो हर वकत इनसान के साथ लगे रहते हैं ?

जवाब: उन्हें किरामन कातिबीन कहते हैं जो हर इन्सान की हर अच्छी और बुरी बात को नोट करते रहते हैं। और इन्सान का ये आमाल नामा कृयामत के दिन उस के सामने पेश किया जाऐ गा।

सवाल: फरिशतों की हकीकत किया है।

जवाब: कुरआन मजीद में उन की सिफात बयान की गई है। हमारे पास ये मालूम करने का

कोई जरिया नहीं है कि वह कैसे हैं और कैसे नहीं।

सवाल: हजरत शाह वलीयुल्लाह दहलवी ने फरिशतों की हक़ीक़त के बारे में

किया फर्माया है ?

जवाब: आप ने फरिशतों को नेकियों की ताकत करार दिया है।

सवाल: कुरआन मजीद में फरिशतों के लिये कौनसा लफज़

इसतेमाल किया गया है ?

जवाब: कुरआन मजीद में फरिशतों के लिये मलाईक का लफज़ इसतेमाल किया गया है जिस के माना कासिद के होते हैं।

सवाल: कुरआन में किन किन फरिशतों का ज़िक्र आया है?

जवाब: कुरआन में चार फरिशतों का ज़िक्र आया है। (१) हजरत जिब्राईल अमीन (२) हजरत मीकाईल अ.

गष्राइल अमान (*२)* हजरत माव

(३) हारूत (४) मारूत।

सवाल: हजरत जिब्राईल अमीन के लिये कुरआन मजीद में कौन से सिफाती नाम बयान हुए हैं?

जवाब: कुरआन मजीद में आप को रूहुल कुदुस और रूहुल अमीन का नाम दिया गया है।

सवाल: दो ओर फिरिशते यानी हजरत इज़राईल और हजरत इसराफील का नाम दो अहम कामों के सिलसिले

में लिया जाता है किया उन के नाम और काम का ज़िक्र कुरआन मजीद में

नहीं आया ?

जवाब: उन दोनो फरिशतों का नाम कुरआन मजीद में तो नहीं आया लेकिन रिवायात के मुताबिक हजरत इज़राईल अ. के सुपुरद लोगों की रूहें कृब्ज़ करने का काम है और हज़रत इसराफील अ. कथामत के दिन सूर फूंकेंगे जिस से सारी दुनिया की मख्लूक़ एक मतर्बा फना हो जायऐगी।

SINCE 1967 FASTEST CARGO MOVERS LEADING ROAD CARRIERS



saurashtra Roadways ahmedabad

Hanif Haji Iqbal Memon (Proprietor)



Daily Transport Service (To & From)

Gujarat: Ahmedabad, Ankleshwar, Aslali, Bharuch, Chatral, Dahej, Daman, Dhoraji, Jetpur, Mehsana, Naroda, Narol, Odhav, Palanpur, Porbandar, Rajkot, Sarkhej, Upleta, Vapi, Visnagar.

Maharashtra: Andheri, Bhayander, Bhiwandi, Mumbai, Navasheva, Palghar, Tarapur, Ulhasnagar, Vasai, Vashi.

Corporate Office :

1&2, Shakti Estate, Opp. Shivam-2, B/h. Ekta Hotel, Sarkhej, Ahmedabad - 382210.
M.: 9825020504, 9825096906, 9825070634

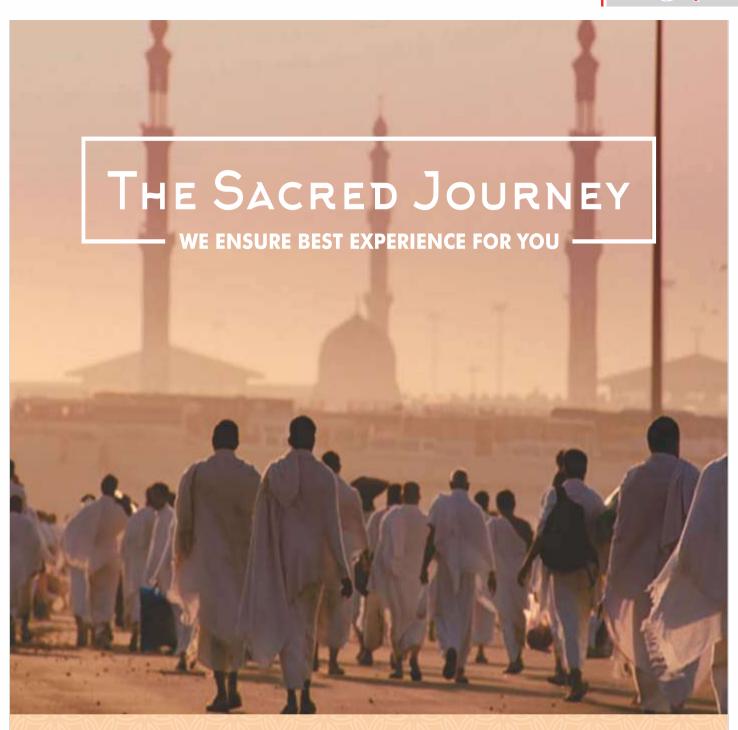
E-mail: sraoffice@rediffmail.com

Mumbai Office:

Murtuza Chambers, Godown No. 2, Nandlal Jani Marg, Dana Bunder, Mumbai - 400009.

M.: 8108828000, 9594328000







SERVING HAJIS SINCE 1988

For Bookings & Inquiries contact:

- **♀** 32, Nakhuda Street, Pydhonie, Mumbai- 400003
- **1** +91 97300 22198 / 022 2342 7075 / 022 23449448
- bakhlainternational@hotmail.com

AIMJF PRESIDENT-11 STOOD RUNNER UP IN CHAMPIONS TROPHY CRICKET TOURNAMENT SPONSORED BY WOCKHARDT HOSPITAL





Cricket Team of All India Memon Jamat Federation' "AIMJF President-11" participated in Champions Trophy Cricket Tournament of Wockhardt Hospital on Sunday, 23/02/2020 from 8am to 8pm at NSCI Club, Haji Ali, Mumbai under the kind leadership of Mr Asif Abbajumma (Chairman - AIMJF Sports Wing)

24 Teams participated in said Tournament, players above 35 years.

Alhamdulillah, this is 5th Sports Events organized during the year 2019/20 under the kind leadership of Mr Asif Bhai Abbajumma and under the guidance of Honble President of AIMJF Mr Iqbal Memon Officer.

Following Members were present, Mr

Asif Abbajumma, Mr Imran Fruitwala, Mr Shakir Batliwala, Mr Hussain Asif Abbajumma, Mr Adnaan Asif Abbajumma, Mr Shakil Batliwala, Mr Altaf Holy

Coach: Mr Hashim Dokadia, Mr Hamza Dokadia

AIMJF President 11 Team: Mr Rizwan Kapadia (Captain), Mr Faiyaz Merchant, Mr Faraaz Moosa, Mr Imran Mehta

Mr Munawar Zariwala, Mr Rizwan Patka, Mr Fauzan Patka, Mr Arshad Mojawala, Mr Abdul Basit, Mr Asif Abbajumma, Mr Altaf Holy.

AIMJF President 11 won 4 back to back matches and won Runners Up Trophy.

Players of AIMJF Team also won following trophies for their remarkable

performance:-

Man of 3 Matches + Hatric Mr Abdul Basit

Man of the Match Arshad Mojawala Best Bowler Mr Abdul Basit

Player of the Tournament Mr Abdul Basit Alhamdulillah, said Cricket Tournament was very well played by all the players.

Mr Asif Abbajumma managed the tournament and Mr Imran Fruitwala, Mr Shakir Batliwala & Mr Shakil Batliwala motivated the players.

Special thanks to Mr Imran Fruitwala & Dr Sahil Nasir Fulara who visited and wished best of luck to all the players.

Cricket Tournament was ended at 8pm in a cheerful environment with a special thanks to Wockhardt Hospital, Mumbai.









DAILY DIRECT SERVICE

FROM

- DELHI GUJARAT HARYANA MUMBAI PUNJAB
- RAJASTHAN UTTAR PRADESH UTTRAKHAND

TO

- ANDHRA PRADESH KARNATAKA KERALA
- MAHARASHTRA TAMILNADU WEST-BENGAL

www.srb.co.in

HEAD OFFICE

: 501/A, Savla Chambers, 40, Cawasji Patel Street, Fort, Mumbai - 400 001., Tel.: 022-2204 5246 (5 Lines) Fax : 2204 5251, Email: srbmumbai@gmail.com

REGIONAL OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 35, Shahzada Bagh Ext., Daya Basti,Delhi – 110 035., Tel.: 2312 7337 / 2312 6522 / 2312 0590 Fax: 011-2312 4786, Email: srbdelhi@gmail.com

AHMEDABAD OFFICE

: "Saurashtra Chamber", Godown No.1/2/3/4/5/6, Corporate Ware House Hub, Nar-Narayan Estate, Opp. Alfa Hotel, Aslali, Ahmedabad - 680 028. Tel.: 02718-261 704, Email : srbaslali@gmail.com

BANGALORE OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 5, 1st Cross, H. Siddaiah Road, Bangalore - 560 027. Tel.: 080-2223 7250 / 2227 7636 Fax • 080-2227 7635 Email : srbbangalore@gmail.com

CHENNAI OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 152, Coral Merchant Street, (MANNADY), Chennai - 600 001. Tel.:040-42051132 Email: srbchennai@gmail.com

COIMBATORE OFFICE

: "Saurashtra Chamber", T.S.No.1199/2B/B2/2C4, Kempatty Colony, Ukkadam Perur By Pass Road, Coimbatore - 641 001. Tel.: 0422-2397 347 / 2394 881 / 2395 756, Email : coimbatoresrb@gmail.com

MADURAI OFFICE

: "Saurashtra Chamber", 30, Vaidyanathapuram Main Road, Ellis Nagar, Madurai - 625 016. Tel." 0452-2342 555 / 2343 005 / 2350 092 Email : srbmdu@gmail.com

DAMAN OFFICE

Raghuvir Complex, Opp. Siddharth Hotel, Near Daman Weigh Bridge, Vapi-Daman Main Road, Daman - 396210. Mobile. 9374325585.

VAPI OFFICE

: Plot No. 320/2/3/4, Godown No. 83/84/85, C.C. Road, 40, Shed Area, G.I.D.C., Vapi-396195. Tel. 0260-2424885, Mobile. 9374325575 / 9374325585.

TRICHY OFFICE

: No. 41/55, East Bouliward Road, Trichy-620008. Tel. 0431-2701997. Mobile. 9842453003.

Oyster Hostel Foundation Stone Laying Ceremony





Iqbal Memon Officer laying foundation stone for Oyster Hostel

Annual Day forms an integral part of school It is an occasion of celebration, activities. felicitation, feast and festivity when students present not only their wonderful performances but also received honors for their hard work. The Annual Day 2019-20 was woven around the theme 'We the Change We the Future'. The newly constructed amphitheater witnessed the 6th annual day celebrations of the school on Friday, 21st of February 2020. Maulana Muhammad Gulam Vastanvi, founder Jamia Islamia Ishat-ul-uloom, Akalkuwa, graced the occasion as the Chief Guest and All India Memon Jamat Federation President Mr. Igbal Memon Officer as a Special Guest for the Annual Day.

Cont Page 14





LALAJI'S FOODS AND BEVERAGES



Refreshingly Indian

LALAJI'S SNACKS & SPICES PVT. LTD.



Safan Sakir Batliwala - 98218 78606 / Sanjar Sakir Batliwala - 98218 78651 Shejan Shoeb Batliwala - 98707 86074 / Shadil Shakil Batliwala - 96644 37866

Emcfl a-infc@ldleffs.com

Websites- www.lalajis.com



AIMJF MEMBERS WITH UNION MINISTER NAQVI



Mr Iqbal Memon Officer, Mr Aziz Machichwala, Mr Munawwar Furniturewala, Mrs Mumtaz Perfumewala, Mr Salim Merchant, Mr Mansoor Zariwala, Mr Hussain Asif Abbajumma, Mr Hamza Dokadia, Mr Ibrahim Jada attending the felicitation program of Union Minister of Minority Affairs Mr Mukhtar Abbas Naqvi at Haj House Mumbai.



AIMJF President Mr Iqbal Memon Officer presenting Annual Report of AIMJF to the Union Minister of Minority Affairs Mr Mukhtar Abbas Naqvi. (LtoR) Munawar Furniturewala, Iqbal Memon Officer, Aziz Machichwala, Salim Merchant, Mukhtar Abbas Naqvi, Haidar Farooq Azam.

Mr. Iqbal Memon Officer with the delegation of 'All India Memon Jamat Federation' met Mr. Mukhtar Abbas Naqvi (Hon'ble Union Minister of Minority Affairs & MP) on 17/02/2020 in Haj House, Mumbai and Invited him for OPENING of Memon Convention & AGM of AIMJF at 11 am morning on 14/06/2020 in Haj House, Mumbai. Mr Mukhtar Abbas Naqvi Saheb kindly consented to attend &

honor the Opening of Memon Convention by his auspicious hands, hence all are requested to be present by 10.30 am on 14/06/2020 in Haj House, Mumbai. Delegation of AIMJF: Mr Iqbal Memon Officer, Mr Aziz Machichwala, Mr Munawwar Furniturewala, Mrs Mumtaz Perfumewala, Mr Salim Merchant, Mr Mansoor Zariwala, Mr Hussain Asif Abbajumma, Mr Hamza Dokadia, Mr Ibrahim Jada.



Cont Page 12

Mr. Muhammad Siddique Motiwala the Chairman of Zulekha Motiwala Social Welfare Charitable Trust, Mr Muhammad Ashfaque Motiwala, Secretary Zulekha Motiwala Social Welfare Charitable Trust, Mr Younus Motiwala were also present to dignify the event.

The Chief Guest Mr. Muhammad Gulam Vastanvi

admired the beautiful performances and held the efforts of the management in high esteem. He congratulated the way school is working to meet its objective and the mission.

As Pearls Academy is expanding into multiple dimensions, the foundation laying

ceremony of 'Oyster' the boarding hostel of the school was done in the presence of Maulana Gulam Vastanvi Sahab. On the same day, the school broucher was also launched by Maulana Vastanvi sahab.

The annual function started with the beautiful verses from the Holy Quran which was followed by many cultural programs such as skits, mime shows, gawwali mash ups and other shows.

The principal of the school Dr. Naver Igbal expressed his thoughts on the mission and vision of the school.

The school development team head Mr. Shaikh Saber extended a warm welcome to the dignitaries and presented the Annual Report. He read out the achievements of the school – both Academic and

> Co-curricular and wished success to the students.

He also invited the first batch of the tenth standard on the stage and extended wishes for their board examinations. The school Secretary Mohammad Ashfaque Motiwala on this occasion extended his wishes and blessing to the first outgoing batch of

the school. The principal, head of the deeniyat department Mr. Mufti Azeem Sahab(event head) supervisors, teachers, non-teaching staff and the support staff left no stone unturned to make the event a grand success.

Lavish delicious dinner was served to the guests, and dignitaries after the event which added extra flavor to the evening.







Head Office:

15/16, Haroon Manzil, Imamwada, Bhindi Bazar, Mumbai 400 003 Tel: 2371 8402, 23735007,

BRANCHES: METRO OPTICIAN: Bhendi Bazar, Mumbai.

Tel: 23718402

METRO OPTICIANS: Shop No. 6, Gr. Flr. Keshavji Bldg.

Gamdevi Mumbai-7 Tel: 23827463

METRO OPTICIANS: Shop No.4, Western Breeze, Hsg.

Soc.Ltd. Shaheed Bahgat Singh Road, Opp.Cusrow Bag Gate, Colaba, Causeway,

Mumbai 400039 Tel: 22020530

METRO OPTICIANS: Deccan Gymkhana, Next to Poona Stock Exchange Pune, 411004, Tel: 552 1619

METRO OPTICIAN: Shop No.21, Grace Church Bldg. Opp. Lohiya Maidan,

Margao - 403601 Goa, Tel : 2732786

METRO OPTICIANS : Vasco Goa Tel : 22517 866

METRO OPTICIAN : 205 SV Road, Opp. Andheri Rly Stn. Andheri (W) Mumbai

400 058, Tel: 26286734 / 26285495

METRO OPTICIAN: Shop No.11, Pipewala Bldg. Opp. Came Wafer Pasta Lane,

Colaba Mumbai-400005, Tel: 22022020

METRO OPTICIAN: Habib Court Colaba Causeway,

Mumbai. Tel: 22020530

METRO OPTICIAN: 18th June Road, Panjim, Goa,





HOT PROPERTY



HM INDIGO VOTED THE BEST FLOOR PLAN IN BANGALORE



Own a luxury apartment through HM AWAS YOJANA 2020

Installment Subsidy | Booking Incentive | Credit Linked | Flexible Choice

www.hmconstructions.com

888 022 5555



હઝરત સુલેમાન અલેયહીસ્સલામ ની ચતુરાઈ

અલ્લાહ ના પ ય ગં બ ૨ હઝરત દાઉદ

અલેહીર સલામની અદાલત માં બે માણસો એ પોતાનો કેસ ૨જ કર્યો અને ઈન્સાફ ની માંગણી કરી.

આપના બેટા હઝરત સલૈમાન અલેહીસ્સલામ પણ ત્યાં બેઠેલા હતા. આ વખતે તેમની ઉમર કકત ११ वर्ष नी हती. हेसनी विशत એવી હતી કે એક માણસના ઘેટાએ બીજા માણસ નં આખ ખેતર ચરી ખાઘ હતુ અને અંદર ઘસી જઈને તમામ પાકનો નાસ કરી નાખ્યો હતો.

ખેતીના નુકસાન નો અંદાજ કાઢવા

એક દિવસે આવ્યો તો ખબર પડી કે જેટલી કીમતના ઘેટા થતા હતા. તેટલી જ કીમત ન નુકસાન ખેતર ના માલીક ને થયુ હતુ. હઝરત દાઉદ અલેહીસ્સલામ એ ચકાદો આપયો કે બઘા ઘેટા ખેતર ના માલીક ને આપી દેવામાં આવે.

> હઝરત સલેમાન અલેયહીસ્સલામ તો ત્યાંજ બેઠેલા હતા. આ ચુકાદો તેમણે પણ સાંભળ્યો. ચુકાદો સાંભળી ને તેઓ બોલ્યા, "અબ્બા જાન! આપનો ચકાદો બિલકલ ખરો અને વ્યાજબી છે, ખેતર ના માલીક ને તેના નકસાન નો બદલો અવશ્ય મળ્વો જોઈએ, પરંતુ મારા ધ્યાન માં એના થી પણ સારો ચકાદો આવ્યો છે!''

> હઝરત દાઉદ અલેહીસ્સલામ એ પુછયુ, "તે શું બેટા?"

હઝરત સલેમાન અલૈયહીસ્સલામ એ જવાબ આપ્યો. " આ બધા ઘેટા ખેતર ના માલિક ને આપી દેવા માં આવે. તે એના દધ અને ઉન થી લાભ ઉઠાવતો રહે. આ તરફ ઘેટા ના માલિક ને સચવવામાં આવે કે તે ખેતર ને સાફસફ કરીને નવે સર થી તેમા વાવેતર કરે. પછી જયારે ખેતી ઉગી નીકળે અને પાક અગાવ જેવો તૈયાર થય જાય તો ખેતર ના માલિક ને તેનું ખેતર સોંપી દે અને પોતાના ઘેટા પાછા લઈ લે!''

હઝરત દાઉદ અલેહીસ્સલામ ને બેટા નો આ ચુકાદો બહુ પસંદ પડયો અને એજ ચકાદા મજબ તેમણે કેસ નો નિકાલ આણ્યો.

杂杂杂杂杂



21ST FEB VISIT AT AURANGABAD



AIMJF Youth Wing Chairman Mr Imran Fruitwala with newly formed Youth Wing and Mr Atiq Siddiq Motiwala as Youth Convenor from Aurangabad at Pearl Residency.



AIMJF President Mr Iqbal Memon Officer with delegates from Mumbai attending as Chief Guest with Shakir Batliwala and Imran Fruitwala, program by Aurangabad Halai Memon Jamat' at Siddiq Motiwala's Banglow. President Yunus Motiwala and Sec Iqbal Dhamia, Zonal Sec Ilyas Dangra, AIMJF Marriage Bureau Chairman Iqbal Chotani and all committee members were present.



AlMJF delegates at Mrs. Zuveria Motiwala Bungalow in Aurangabad. Delegates were felicitated with shawl and delicious dinner was served.



AlMJF delegates attending special meeting of ladies at Mrs.

Mashila Maqsood Naviwala's Banglow. where womens agreed to join AIMJF Ladies wing and give their noble services and help for the betterment of our Memon community.



એક બાળક ની બે માતાઓ

હઝરત સુલે માન અલૈયહીસ્સલા મનાજમાનાની

વાત છે એક બાળક વિસે બે ઔરતો ઝઘડતી હતી એક કહે,''આ બાળક મારુ છ!'' બીજી કહે,''જા! રાંડ! તારુ કયાંથી આવ્યુ ? આ તો મારા કલેજા નો કટકો છે! '' આ ખેચાતાણી માં બાળક બરી તરહ રડી રહ્ય હત.

ઔરતો ની બુમરાણ અને બાળક ની રો–કકળ થી રાહદારીઓ નું ટોળુ ભેગુ થઇ ગયુ બઘા કુતુહલાત થી આ તમાશો જોવા લાગ્યા એક ઔરત બોલી,''સાહેબો! ઈન્સાફ કરો. આ મારૂ બાળક છે, મને અપાવો!''

બીજી બાલ, ''જા રે જા, મારા બાળક ને પોતાનો બાળક કહે છે. હરગીઝ નહિ અપાય!''

મ?ડે સુઘી આ રીતે તુતુ–મેંમેં ખેચતાણ થતી રહી. અંતે કેટલાક સમજદાર માણસો બંને ઔરતો ને પકડી ને હઝરત સુલે માન અલેયહીસ્સલામ ની અદાલત માં લઈ ગયા. બંને ની દલીલો સાંભળી ને હઝરત સુલેમાન અલેયહીસ્સલામ થોડીકવાર કંઈક વિચારતા રહ્યા. પછી ઘરમાં થી મોટો છુરો મંગાવ્યો અને બાળક ને તખત પર સુવડાવતા બોલ્યા, ''બાળક એક છે અને માતાઓ બે છે. બંને નો દાવો છે કે બાળક મારૂ છે. હવે મારો ચુકાદો એવો છે આ છુરા થી બાળક ની બે કટકા કરી નાખુ અને બન્ને ને વહેચી આપું. જેથી કોઈ ને ફરીયાદ કરવા જેવુ નહિ રહે!''

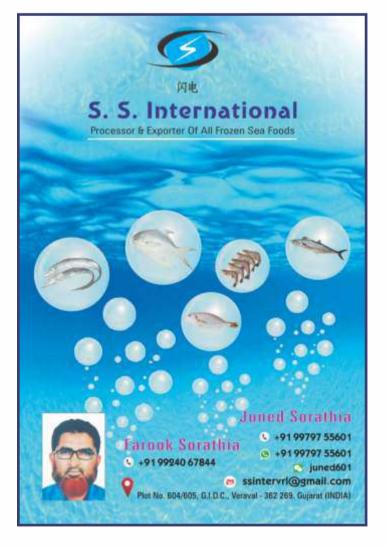
એક બોલી, ભલે એમ તો એમ, આપનો ચુકાદો મને કબુલ છે.''

પરંતુ બાળક ના પેટ પર છુરો જોઈને બીજી ઔરત ના આંખે અંધારા આવી ગયા. તે ચકરી ખાઈ ને ગબડી પડી. પછી તરત ઉભી થઈને દોડી અને હઝરત સુલૈમાન અલૈયહીસ્સલામ ના હાથ માંથી છુરો લેતા રડતા રડતા બોલી: ''હઝરત! આપ ને અલ્લાહ ના સોગંદ આપુ છું. મારા બાળકના કટકા ના કર. મારા જીગર ના ટુકડા ને બચાવી લો. હવે આ બાઈ સાથે ઝગડો નહિં કરું. માં તરીકે હું મારો હક્ક જતો કરૂં છું. રાજી ખુશી થી બાળક એને આપી દો, મને વાંઘો નથી!''

"બહેન રડ નહીં!" હઝરત સુલૈમાન અલૈયહીસ્સલામ એ કરમાવ્યુ, " આ બાળક ની ખરી માં તુજ છે. આ બાળક તારૂજ છે. ઘીરજ રાખ, હું એને નહિં કાપુ. હું તો માત્ર કસોટી કરતો હતો કે અસ્લી માં કોણ છે અને નકલી માં કોણ છે. લે બહેન, આ તારા બાળક ને લઈ જા!"

અસ્લી માં એ ચીલ જડપ થી પોતાના બાળકને ગોદમાં ઉપાડી લીધું અને કલેજા સાથે ચાંપીને ચુમવા—ચાટવા લાગી. લોકો હઝરત સુલૈમાન અલૈયહીસ્સલામ ની આ દાનાઈ અને ચતુરાઈ જોઈને દંગ થઈ ગયા. પછી પેલી મક્કાર અને ઢોંગી માં ને હઝરત સુલૈમાન અલૈયહીસ્સલામ એ યોગ્ય શિક્ષા આપી.





Hazrat Khwaja Moinuddin Chishty R.A Ethical Sayings



The heart of a lover (the true devotee of God) constantly burns with the fire of Love so much so that whatever passion intrudes upon its sanctity is burnt to ashes.

He indeed is a true devotee blessed with the love of God, who is gifted with the following three attributes: river-like charity, i.e his sense of charity has no limits and is equally beneficial to all the creatures of God who approach him, Sun-like affection, i.e. his affection may be extended indiscriminately to all like sunlight and Earth-like hospitality, i.e. His loving embrace may be open to all like that of the earth.

beings.

The test of a true devotee's mind is that it of things' the more he wonders. is always, and to all intents, strictly manner which is apt to displease Him resulting in the withdrawal of His grace. A seer of the 'essence of things' is characteristically mute and meditative. He is a hardened sinner who commits sin and yet simultaneously entertains the belief that he is one of the God's 'chosen

A Dervish or hermit is one who would never disappoint a needy.

A sin committed does not harm an Patience is tested through resignation to

individual so much as the looking down sorrow, sufferings and disaster without a with contempt upon one's own fellow murmur disclosing one's pains to others. The more one learns about the 'essence

The seer regards Death as a friend, obedient to the will of God and is luxury as a enemy and the constant constantly afraid of behaving in a narration or remembrance of God as a glory.

> The best time for the seer or dervish is indicated by the absence of all cares from his mind.

> Knowledge is comprised upto an unfathomable ocean and enlightenment is like a wave in it, then what is the relation of God and man? While the ocean of knowledge is sustained by God alone, the enlightenment pertains to

Cont. Page 20





Cont. Page 19

'Namaaz' (Islamic prayer) is the ladder leading to the proximity of God Almighty. Prosperity departs from the home of one who tells a lie on oath and he is soon ruined. The graveyard is the place for picking up a

lesson. In such a solemn surrounding, one should not indulge in laughing or burst into that he must laughter or eat or drink or do any other o worldly thing.

Keep handy your equipment for the last journey and think of death as hovering over your head at all times.

God rains misfortune and misery upon the heads of those whom He does not

The best way of evading the fire of hell lies in feeding the hungry, providing water to the thirsty, removing the wants of the needy and befriending the miserable.

Just as the sunshine increases gradually in the morning so does the Divine Light expands in one who says Ishraaq prayers.

When the Aarif meditates over a thing, he attains a state of absorption in which even if thousands of angels assuming wonderful forms try to attract him, he would remain entirely undisturbed for the time being.

There is impurity below every human hair, hence water must touch and reach the root of every hair. If a single hair shall remain dirty, purification is not complete and is impaired.

Human Perspiration is not impure upon any one. (Hadith).

arrives and hurry up to perform the Namaaz before its final hour passes.

It is incumbent on the followers of the path of 'Tarigat' (the path leading to Divinity) first divorce himself.

renou physica 1 world.

and then the second world thereafter and ultimately his own 'self' (Nafs) when alone he can pursue his right path, failing which he should abandon the enterprise of Sufism.

For a follower of the path of Truth, it is worse than a sin to disdain or look down

When the Aarif becomes silent, it means Offer your repentance quickly before death that he is talking to God, and when he closes his eyes it means that he his knocking at God's door

> The path of Love (of God) is such a path that whoever stepped into it, he loses

> Those devoted to the path of the 'knowledge of God's realisation' (Irfaan) have nothing to speak of except God.

Severance of connection with wealth and property is one of the inferior achievements of an Aarif.

> Those who are true lovers of God. give away both of the worlds for the sake of their 'beloved' and even then they feel that they have done nothing whatever.

Verily he is an Aarif who is clothed with three qualities-firstly, piety; secondly, conduct eliciting respect, and thirdly, modesty.

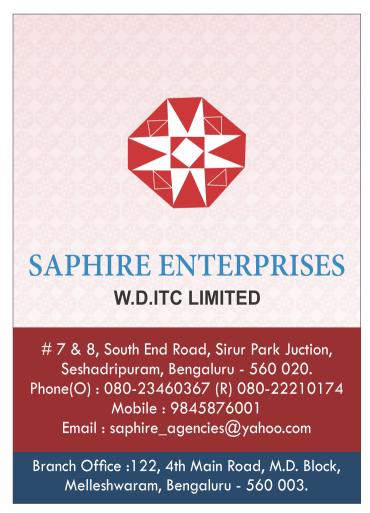
Love of God transcends and is above all passion for others.

Perfection of Faith is evidenced by three things – Fear, Hope and Love.

Death is a bridge which expands the passage for a lover to reach his beloved

True Friendship or love (of God) lies in maintaining His constant recollection in heart and not in expression by speech.

The heart was essentially created for making rounds of the love of God.









Practicing polite gesture is essential in day to day life

Let's take a first step towards kindness. Showing people we care and are willing to invest time and energy strengthen the relationship.

- * Never forget to respond to an RSVP, acknowledging is the basic which can be practiced
- * Use more caring and charming language. Don't be too loud or try to act

like you are someone very big. The more bigger person is, the more softer he is.

- * Stand up and greet. It looks very casual when we sit and greet someone or reply to someone's greet or handshake
- * Send handwritten notes with the gifts or if texting, personalize it
- * Visit a relative or friend when they are sick. That is the time moral and emotional support is much needed.
- * Call or message when you are running late for the meeting or event, except the very big gathering.
- * Respect elders and also the one who is younger than you. If someone is courteous or respecting you then don't take it for granted. Never give a chance to respectful person to ever disrespect or ignore you just because of your language and casualness.

ملااحمدجيون ً اوربادشاه اورنگزيب ً كاواقعه

مُلا احمد جیون ہندوستان کے مغل باوشاہ اورنگ زیب عالمگیر کے استاد تھے۔اورنگ زیب اینے استاد کا بہت احتر ام کرتے تھے۔اوراستاد بھی اپنے شاگر دیرفخر کرتے تھے۔جب اورنگ زیب ہندوستان کے بادشاہ سے توانہوں نے اپنے غلام کے ذریعے اسٹاد کو پیغام بھیجا کہ وہ کسی دن دہلی تشریف لائمیں اور خدمت کا موقع دیں۔اتفاق سے وہ رمضان کا مہینہ تھا اور مدرسہ کے طالب علموں کو بھی چھٹیاں تھی۔ جینانچہانہوں نے دہلی کا رُخ کیا۔استاداورشا گرد کی ملاقاتعصر کی نماز کے بعد دہلی کی جامع مشجد میں ہوئی۔استاد کواپنے ساتھ لے کراورنگ زیب شاہی قلعے کی طرف چل پڑے۔رمضان کا سارامہینہ اورنگ زیب اوراستادنے اکھٹے گزارا۔ عید کی نماز اکھٹے ادا کرنے کے بعد مُلاجبون نے واپسی کاارادہ ظاہر کیا۔ بادشاہ نے جیب سے ایک چوٹی نکال کرایئے استاد کو پیش کی۔استاد نے بڑی خوشی سے نذرانہ قبول کیا اور گھر کی طرف چل پڑے۔اس کے بعد اورنگ زیب دکن کی لڑائیوں میں اتنے مصروف ہوئے کہ چودہ سال تک دملی آ نانصیب نہ ہوا۔ جب وہ واپس آئے تو وزیر اعظم نے بتایا۔ ملا احمد جیون ایک بہت بڑے زمیندار بن جکے ہیں۔اگراجازت ہوتو اُن سے لگان وصول کیا جائے۔ یہن کراورنگ زیب حیران رہ گئے۔ کہ ایک غزیب استاد کس طرح زمیندار بن سکتا ہے۔ انہوں نے استاد کو ایک خط لکھا اور ملنے کی خواہش ظاہر کی ۔ مُلا احمد جیون پہلے کی طرح رمضان کے معینے میں تشریف لائے۔ اورنگزیب نے بڑی عزت کے ساتھ انہیں اپنے پاس ٹھرایا۔ مُلااحمد کالباس، بات چیت اور طور طریقے پہلے کی طرح سادہ تھے۔اس لیے بادشاہ کوان سے بڑا زمیندار بننے کے بارے میں یو چھنے کا حوصلہ جٹانہ یا۔ سکا۔ایک دن مُلاصاحب خود کہنے لگے: آپ نے جو چوٹی دے تھی وہ بڑی بابرکت تھی۔ میں نے اس سے بنولہ خرید کر کیاس کاشت کی خدانے اس میں اتنی برکت دی کہ چند سالوں میں سینکڑوں سے لاکھوں ہو گئے۔اورنگ نبیب یہن کرخوش ہوئے اورمُسکرانے لگے اور فر مایا:اگراجازت ہوتو چوٹی کی کہانی سناؤں۔ملاصاحب نے کہاضرورسنائیں۔اورنگ زیب نے اپنے خادم کو تکم دیا کہ جاندنی چوک کے سیٹھ"تم چند" کوفلاں تاریخ کے کھاتے کے ساتھ پیش کرو سیٹھاتم چندایک معمُولی بنیا تھا۔اسے اورنگ زیب کے سامنے پیش کیا گیا تو وہ ڈر کے مارے کانپ رہاتھا۔ اور نگ زیب نے نرمی سے کہا: آ گے آجاؤ اور بغير كسى تَصْبرا هِتْ كَ كُلُواتْ يَكُول كِ خرج كَي تفصيلُ بيان كرو سيتِها تم چند نے اپنا كھا تة كھولا اور تاريخ اورخرج کی تفصیل سنانے لگا۔ مُلااحمہ جیون اور اور نگ زیب خاموثی سے سنتے رہے ایک جگہ آ کے سیٹھ اورنگ زیب نے نرمی سے یو چھا: ہاں بتاؤیہ چونی کہاں گئی؟اتم چندنے کھاتہ بند کیا اور کہنے لگا: اگر اجازت ہوتو در دبھری داستان عرض کروں؟ بادشاہ نے کہا: اجازت ہے۔اس نے کہا: اے بادشاہ وقت! ایک رات موسلا دھار ہارش ہوئی میرام کان ٹیکنے لگا۔م کان نیا نیا بنا تھااور تمام کھاتے کی تفصیل بھی اسی مکان میں تھی۔میں نے بڑی کوشش کی ایکن حیب ٹیکتار ہا۔میں نے باہر جھا نکا توایک آدمی الثین کے ینچے کھڑانظر آیا۔ میں نے مزدور خیال کرتے ہوئے یو چھا، اے بھائی مزدوری کرو گے؟ وہ بولا کیوں نہیں۔وہ آدمی کام پرلگ گیا۔اس نے تقریباً تین چار تھنٹے کام کیا، جب مکان ٹیکنا ہندہو گیا تواس نے اندرآ كرتمام سامان درست كبايه اتنے ميں صبح كى اذان شروع ہوگئى۔ وہ كہنے لگا: سيٹھ صاحب! آپ كا کامکمل ہو گیا مجھے اجازت دیجیے، میں نے اسے مز دوری دینے کی غرض سے جیب میں ہاتھ ڈالاتوایک چوٹی نکلی۔ میں نے اس سے کہا:اے بھائی! ابھی میرے یاس یہی چوٹی ہے بیے ہ اور شبح دکان پر آنا تمہیں مزدوری مل جائے گی۔وہ کہنے لگا یہی چونی کافی ہے میں چھرحاضر نہیں ہوسکتا۔ میں نے اور میری بیوی نے اس کی بہت منتیں کیں لیکن وہ نہ مانااور کہنے لگا دیتے ہوتو یہ چوٹی دے دوور نہ رہنے دو۔ میں نے مجبور ہو کر چوٹی دے دی اور وہ لے کر چلا گیا۔اوراس کے بعد سے آج تک وہ نہ ل سکا۔آج اس بات کو پندرہ برس بیت گئے۔میرے دل نے مجھے بہت ملامت کی کہ اسے روبیہ نہ ہی اٹھنی دے ویتا۔اس کے بعدائم چندنے بادشاہ سے اجازت جاہی اور چلا گیا۔ بادشاہ نے مُلاصاحب سے کہا: بیوہی چوٹی ہے۔ کیونکہ میں اس رات بھیس بدل کر گیا تھا تا کہ رعایا کا حال معلوم کرسکوں۔سووہاں میں نے مزدور کے طور پر کام کیا۔ ٹلا صاحب خوش ہو کر کہنے لگے۔ مجھے پہلے ہی معلوم تھا کہ بیہ چوٹی میرے مونہارشا گرد نے اپنی محنت سے کمائی ہوگی۔اورنگ زیب نے کہا: ہاں واقعی اصل بات بیہے کہ میں نے شاہی خزانہ سے اپنے لیے بھی ایک یائی بھی نہیں لی۔ ہفتے میں دو دن ٹوپیال بنا تا ہوں۔ دو دن مز دوری کرتا ہوں۔ میں خوش ہوں کہ میری وجہ ہے کسی ضرورت مند کی ضرورت یوری ہوئی بہسب آپ کی دعاؤں کا نتیجہ ہے۔

(بحواله: كتاب/تاريخ اسلام كے دلچيپ واقعات منقول سيده رمشارحان)



HAJIRIYAZ M VADHARIYA



SHAKIB R VADHARIYA



- M/S HONEST FROZEN FOODS CO (UNIT-I)
- M/S HONEST FROZEN FOODS CO (UNIT-II)
- M/S ANJANI MARINE TRADERS
- (FROZEN FISH EXPORT)
- M/S PREMIER MARINE PRODUCTS
- M/S UNITED MARINE PRODUCTS
- (DRY FISH & STERILIZED FISH MEAL)

REGIONAL OFFICE : GIDC, PLOT NO.1405 VERAVAL 362269 GUJARAT MOB.9825221185, 9624741171





મહામુલા મંથનમોતી

- 👺 જે વજનનો અનુભવ ન થવા દે એ જ સ્વજન.
- 🕪 પગ લપશે તો ઝખમ થાય છે પણ જબાન લપશેતો ઝોખમ થઇ જાય છે!!
- ખુદનું દુઃખ અનુભવવું જીવતા હોવાની દલીલ છે. પણ, અન્યોનું દુઃખ અનુભવવું એ માનવ હોવાનું પ્રમાણપત્ર છે.
- આપણે જ દોંશીચાર છીએ એમ માનવું આપણો વહેમ છે. પણ, આપણને કંઇ ખબર જ નથી પડતી એમ માનવું એ સામેવાળાનો વહેમ છે!
- બે લોકો થી કયારેય દોસ્તી કરવી નહીં. એક તમારા દુશ્મનના દોસ્તથી અને, બીજા તમારા દોસ્તના દુશ્મનથી.
- લન-વે કોસ કરતી વખતે પણ બંને બાજુ જોતા રહેવું પડે એટલી હદે માણસ-માણસ પ્રત્યે વિશ્વાસ ગુમાવી ચૂકયો છે!
- તમારૂં એકાંત તમને જે વિચારો તરફ ધકેલે.., બસ એજ તમારા અંદરની ઠકીકત છે!
- ચીજ-વસ્તુ હોય કે સ્નેદ-સંબંધ. વિકલ્પ વધે એમ કિંમત આપોઆપ ઘટતી જાય છે.
- માં-બાપ માટે કાંઇક કરવા માંગતા હો તો એટલું જરૂર કરજો કે, કોઇ આપના લીધે એમના ઉછેર તરફ આંગળી ન ઉઠાવે.
- તમે સૌથી સારા માણસો ને નહીં ગણકારો તો ચાલશે પણ સૌથી સાચા માણસોની અવશ્ય દરકાર રાખજો.
- વાતાવરણ દંમેશા અણસાર આપી ને બદલાય છે. જયારે, માણસ બદલાય ત્યાર સુધી અણસાર આવવા દેતો નથી.
- કિનારે પહોંચવું કોઇના ય માટે સહેલું નથી. અહીં, મંજિલે પહોંચતા સાગરના મોઢે પણ ફીણ આવી જાય છે.
- 🗪 કમાવા જઇએ ત્યારે ૧ (એક) કરતા ૨ (બે) મોટો ગણાય; ને સ્પર્ધામાં હોઇએ ત્યારે ૨ કરતાં ૧!!
- સહેનારો જો ધીરજ રાખતો થઇ જાય તો કહેનારાની અવકાત બે ટકાની થઇ જાય છે. સંકલન અરમાન એમ. પીપરાણી

મેમણી હઝલ

"**डेडो ही वियार** ?!"

વિચાર વાસે અચે તો વિચાર વિચાર વાસે ભગે તો વિચાર, પંખ વિનાજો આચ દી પરીંદો વિચાર વાસે ઉકે તો વિચાર.

> રોક-ટોક કે પાબંદી ઇન્જી થી ના શકે, બેખૌફ ખોપડી મેં ઘુસેતો વિચાર

ગમે કે ના ગમે પણ ઇ તો જરૂર અચે, હરેક જાતજી મનમેં મજા ચખાય તો વિચાર.

રસ્તમજી પણ તાકાત ઇન્કે ના રોકી શકે, પહેલવાન કે પણ ઉંઘે મૃંદે પછાળે તો વિચાર.

અચે કડે ? કીડા થી ? અને કી રીતે ? દર દેકાણે વગર અચાનક ફદે તો વિચાર.

સુખ, કુઃખ ગમ અને ખુશી જે મેદાન મેં, વેશ અનુભવી જા ભુજાયતો દી વિચાર.

<u>બને ફિરશ્તો કે શૈતાન દી ઇન્સાન,</u> આધાર ઇમાન જો બને તો દી વિચાર.

'હાજી ભા' આંચ ઇન્જે બારે મેં કેતરોક લીખના ! કલમ કે પણ ઇ તો થકાય દીચે તો વિચાર !!

> - 'હાજીભા' મહંમદહુશેન નાગાણી -દ્યોલ



KMC ENTERPRISE

Javid E. Fatta (PROPRIETOR)



EXPORTERS OF FISH MAWS, SHARK FINS & ALL OTHER DRIED MARINE PRODUCTS

"I" Wing, Flat No. 605, Veena Beena Apartment, A. D. Marg, Sewri (W), Mumbai - 400 015. (INDIA)

Res.: 2413 05 18 • Mobile : +91 9867201786 Telefax : +91 22 6662 4208 • E-mail: fattaje2001@yahoo.co.in થીની તબાહ કૌમ જી દૌલત કીડા સુધી ? પુગની વિનીને દી નોબત કીડા સુધી ? એ મેમન કૌમ, એળી દીમાકત કીડા સુધી ? અઝમત વેચીને ખરીદને શોહરત કીડા સુધી ? વાહ વાહ જી ચાહત કીડા સુધી ? બરબાદ થીની કૌમજી દૌલત કીડા સુધી ?



આંઉ ના પા, તોજી મીજી કરીને હકકો કી હતી વિન્નુ આઇ. જો પણ કમાયાસી હિતેજ રહી વીનન્જો આઇ. કરી ગીન થોકા સારા કમ, ભેગો પાંજે તો ઇજ વીનન્જો આઇ. રૂન થી તો આંસુ પણ પારકા થી વીનન્તા, બદ્યે કે ઉ સંબંધ ખુબ જ ગમે તા, જીન મેં આંઉ ના પા હૂ તા.

Igbal memon Officer



ميمن طائمز کی ڈائری سے منتخب اشعار

رات دن گردش میں ہیں سات آساں ہو رہے گا کچھ نہ کچھ، گھبرائیں کیا!

گیا رقیب کے گھر بارہا شب وعدہ بہت ذلیل مجھے تیری جنتجو نے کیا

___داغدهلوي

وُنيا ميں حال آمد و رفت بشر نہ يُوجِھ بے اختیار آ کے رہا، بے خبر گیا

___فانی بدایونی

تدبیر دوستوں کی مجھے نفع کیا کرے بیاری اور کچھ ہے، کریں ہیں دوا کچھ اور

لبھی حاد ہُ طلب سے جو پھرا ہُوں دل شِکستہ یزی آرزونے ہنس کروہیں ڈال دی ہیں ہانہیں

۔۔۔مجروح سلطان یوری

نہ ہو رہائی قفس سے، اگر نہیں ہوتی نگاہِ شوق تو ہے بال و پر نہیں ہوتی

ـــقمر جلال آبادي

شہر جمال کے خس و خاشاک ہوگئے اب آئے ہوجب آگ سے ہم خاک ہو گئے

۔۔۔<mark>یروینشاکر</mark>

روندے ہے نقشِ یا کی طرح خلق یاں مجھے اے عمررفتہ حیموڑ گئی تو کہاں مجھے

ہم تو چُپ چاپ چلے آئے بحکمِ حاکم راستہ روتا رہا شہر سے ویرانے تک

___مقبول عامر

هنسی کی محمل

ایک پٹھان نے روز ہ رکھا، دو پہر کوہی اس کا برا حال ہو گیا ۔ٹائم گزارنے کے لے ہاس نے FM ریڈ یوفون کیا میزبان نے یو چھا۔ «خان صاحب کیاستنا پیند کرس گے"۔ يڻھان ٻولا" ٻھائي حان مغرب کي آ ذان سنادو-"

خان صاحب نے تقریر کرتے ہوئے کہا۔ "کسی کو میری مات بهاعتر اض تونهيس؟" ایک آ دمی اٹھ کر بولا۔ "جی مجھے ہے۔" ... خِان صاحب نے کہا۔ "تم جاؤجہٰہم میں۔۔ہاں بھئی اور

پٹھان سعودی عرب گیاا سے عربی نہیں آتی تھی ٹیکسی میں ببیٹاراستے میں ایسے تمجیز ہیں آ رہی تھی کہ ڈرائیورکوکیا کہہ كر روكے ١٦ خركافي ويرسوچنے كے بعد اس نے ڈرائیورکے کاندھے یہ ہاتھ رکھ کر کہا۔ "صدق الله

شیخ مرتے وقت۔"میری بیوی کہاں ہے؟" بیوی۔"میں یہاں ہوں آپ کے یاس" شیخ "میرے بیٹے، بیٹیاں کہاں ہیں سارے"۔ تمام یک زبان ہوکر۔ "ہم آپ کے یاس ہی ہیں ابوجان شیخ " تو پھر ساتھ کے کمرے میں پٹکھا کیوں چل رہا ہے

ایک دریا کے کنارے دوسر دار دریا کے اندر چچ سے دہی ڈال رہے تھے۔ایک پٹھان وہاں آیا اور یو چھا" بھائی پیہ کیا کررہے ہو۔؟" سردار بولے ہملتی بنارہے ہیں" پٹھاُن" ہاہاہاہاہااو یا گل کے بچواسی لیے توتم لوگوں یہ لطیفے بنتے ہیں اتی کسی پیئے گاتمہار اباب؟

PATRON MEMBER

MEMON TIMES

Imran Iabal Vayani (Mumbai)



Sadique Yaqoob Babla (Buldhana)



Razzak **Sorathiya** (Veraval)



Mujib Ur Rehman **Kheradiya** (Gariyadhar)



Javed Igbal Khanani (Desaiganj)



Rafik Gaffar Kachchi (Morvi)



Haji Yusuf **Noormohamed** Akhai (Morvi)



Haji Noormohamad Kasmani (Morvi)



Haji Anwar Motlani (Morvi)



Faruk Bhai Kachchhi (Morbi)



نصيحتآموزباتين

رسول اکرم صلی الله علیه وسلم تشریف لے جارہے تھے۔راستے میں کچھلوگ وزنی پتھراٹھا کراپنی طاقت کا موازانہ و مقابله کرر ہے تھے۔آپ صلی اللّٰدعلیه وسلم نے فر ما یا،اس پتھر ہے بھی زیادہ دز نی ایک چیز ہے۔ جہاں طاقت کامواز نہ بہتر ہوگا ۔لوگوں نے عرض کیا ، وہ کیا ہے؟ آپ صلی اللہ علیہ وسلم نے فر مایا ، دو بھائیوں میں کسی بنیاد پر عداوت و شمنی ہوجائے اور دونوں پرشیطان غالب آ جائے تواس وقت ایک بھائی عارضی عزت وذلت کی پرواہ کیے بغیر (صرف اللہ کی رضا کے لیے) دوسرے بھائی کے پاس جا کر صلح صفائی کر لے (چاہے اس کے لیے معافی مانگنی پڑے) پاکسی شخص کو سخت غصہ ہو(توغصے کے تقاضے بڑممل کی قدرت کے باوجود)وہ اللہ کے کیے صبر کرے۔

نبی اکرم صلی اللہ علیہ وسلم کاارشاد ہے کہ چھےقشم کےلوگ چھے باتوں کی وجہ سے حساب سے قبل ہی جہنم میں داخل کر دیے جائیں گے: (الف)امراء وروسااین ظلم وزیادتی کی وجہ سے ۔ (ب)غریب، تغصب کی وجہ سے ۔ (ج)چودهری اورصاحبِ اقتدارلوگ تکبر وغرور کی وجہ ہے۔(د) تاجرحضرات اپنی بدریانتی اورخیانت کی وجہ ہے۔(ہ) دیہاتی لوگ اپنی جہالت کی وجہ سے۔(و)علاء،حسد کی وجہ سے

حضرت لقمان رحمة الله عليد سے سی نے معلوم کیا کہ آپ نے اتنا بلندمقام ومرتبہ کیسے حاصل کیا۔ فرمایا، سیائی ،امانت داری اور لغویات سے یر ہیز کے ذریعے۔



Late Haji Ismail Haji Essa Abdul Razzak Ismail M. Farook Ismail



SOPARIWALA ASSOCIATES

BUILDERS & DEVELOPERS



HHA VIEW



AIMJF Industrial Training Centre Vasai Unit

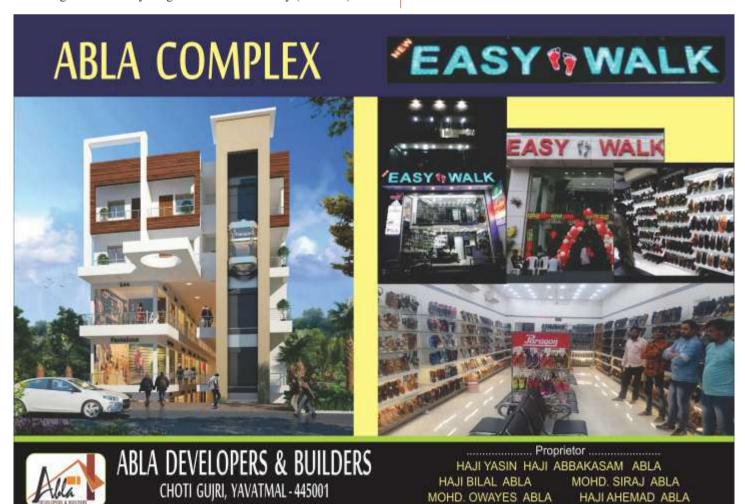


Justdial.com honored Memon Times with token of appreciation for its largest community Magazine of a Community (Memons)

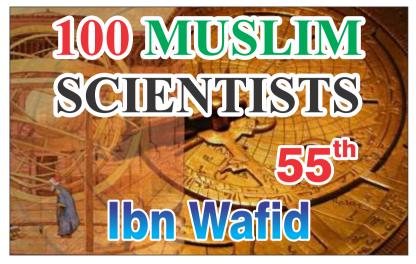


Mrs. Razia Chasmawala inaugurating the sewing classroom of All India Memon Jamat Federation's Industrial Training Centre at Vasai Unit.

Mob. 9923956786, 9850552217



Email: sirajabla31@gmail.com



Spanish Islamic scientist Ibn Wafid made contributions to pharmacology and pharmacy. He wrote several books on those subjects, including Kitab al-adwiya al-mufrada and Kitab al-rashad fi-al-tib

Life: Abu al-Mutarrif Abd al-Rahman Ibn Wafid was born in 398 AH/1007 AD at Talitala in Islamic Spain. Talitala was the Arabic name for what is now known as Toledo. The Muslim rulers of Spain provided great facilities for the development for agriculture and botany. As a result, Spain produced a large number of botanists and agronomists. The scientific activities started by earlier Muslim rulers of Spain were continued in the days of Ibn Wafid. Ibn Wafid studied medicine at Cordova where the great Islamic surgeon al Zahrawi was his senior contemporary. Sanish Islamic historian and biographer Saad al-Andalusi, author of the famous book Tabagat al- uman, was Ibn Wafid's friend. He studied Aristotle, Dioscorides, Galen and Islamic agriculturists. After his education, he returned to Talitala where he lived till his death.

Ibn Wafid was patronized by the ruler of Talitala who established a large botanical garden with numerous plants. A number of botanists worked there, including

Ibn Wafid and Ibn Bassal. Ibn Wafid Practiced medicine and pursued his scientific activities at Toledo. He worked for twenty years on his famous book Kitab al-adwiya. He died at Toledo in 467 AH/1074 AD. In his days, he was unrivaled in the knowledge of pharmacology.

Achievements: Ibn Wafid wrote several books on medicine, agriculture, botany, and pharmacology/His works on pharmacology and pharmacy have been much appreciated. His pharmacological studies are mainly contained in three books: Kitab al-adwiva fil tib (Book of simple medicine), Kitab al rashad fil tib (Guide to medicine) and Kitab al Mughith (Book of Guidance)

In these books he collected the materail from earlier authorities and added his own observations. He conducted research to ascertain the properties of drugs. He discussed medicinal plants and their cultivation, simple and compound drugs with their properties and effectiveness. On the use of drugs, he had an interesting theory. He did not favour compound drugs. He said that in the first stage, a disease should be tried to be cured with the help of diet. If diet fails to produce positive results, simple drugs should be used. It is only when the simple drugs fail that a compound drug should be used. This theory is practiced even today. His other books include: Mujarrabat fil tib (Medical experiences) and Majmuat filaha (Book of agriculture).

Ibn Wafid was known in Europe by the Latin versions of his name Abenguefit, Abbengufith, etc. His Kitab al-adwiya al mufrada was translated into Latin by Gerard of Cremona who died in 1187 AD. It was also translated into Hebrew and Spanish languages. His book on agriculture Kitab al filaha was used by a spanish author in 1513 AD.

With Best Compliments

MAF CLOTHING PVT. LTD. (Government of India Recognised Star export House)

MANUFACTURER/EXPORTERS OF TEXTILE GARMENTS

Adakamaranahalli, Makali post,

21st Km of Tumkur road,

Bangalore-562 123. INDIA

Email: admin@mafclothing.com

Phone :- 91-80-23714242







Monday 1st March 2020 | Mumbai Urdu News | Page 12

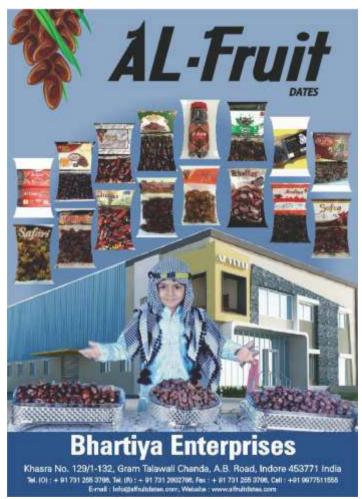
خواجہ عین الدین چشتی کی درگاہ پر چادر پوشی کے ساتھ ورلڈ میمن ڈے کا آغاز درگابسٹی کی سباب سے سد دفی ڈریٹن ایوارڈ سے نواز سے گئے ہم سب کافرض ہے کدامن و بھائی چارہ قائم کرتے ہوئے اتحاد کو عام کریں: اقبال میمن آفیسر

کول ایک مالا تقیدے دائر ام کے مالا ایمان ٹریک و وقائم کرتے ہوئے افغان ہے کہ اگری د خاص طور پر ٹیر مسلم علاقوں جی جاکہ انہوں کا متازی کو ان کا کر گئی ہائی ہی کہ کہ اگر کول اگریت کے لوگوں کو اگر کا کا کی ہائی تاتیں قودہ کردہ شامد کر رہے انہوں کے کہان روادی کے تھی اندور کر رہے انہوں کے کہان روادی کے تھی دان دائد کان اے کی ایاب دافان یہ کا کھی

ے کی بات کی اور کہا کہ اس دن چاری دنیاتش بھٹے کئن مان کافر دورہ کی مولی تعلیمی اور دکھر ٹیر کے کام بھڑ کی جید جواؤ کے کرتے گئیں۔ اس موقع پر اقبال میں افسر کو انگیر درگاہ محل (اقبیق میٹون حکومت وحد) کی جائب سے ان کی مولی م روا کی تعلیمی حددت کو دیکھتے ہوئے اجارات سے اور از کیا۔ A STANLE LANGUE STANLE LANGUE STANLES

گل۔ چاوری کی کے کے بعد آل انڈیائٹس شاعت ڈیڈریٹن کے مدد اقبال میں آٹیر نے ایا تھی اس وابان کی وہا کے ساتھ لاگوں کو بیار وجہت سے دستے اور ملک کی تھی وائی تھی بڑھ چڑ وکر حصہ لینے کی کھی تھی کی۔ انہوں نے کہا کہ بے تواج فریب فراز کا دریار سے جہاں وابدہ سلم سکو جوبائی کی خااج محنی ۱۹۹ فروری: (پریس دیگیز) جو سک دوارای شرفی می شام چار یک درگاه به می دواری می در اوری پیش (خوار خرب اور) کی درگاه به می اداری کی بیان آلیس نے درگاه میش کے خوش می اجمار اتبال بیمان قاراق اعظم (درگاه میش)، به به خوف بیمان قاراق میش ایسیا، بشده سیان کے خلف میسی سے آئے ہوئے میں شاخت کے اعداداران اور دیگر ایم خشویات کے محمار حزار احتمال کے بیاد وقت

کی نہ یادت کے بھر مجی ادائیس کی دوگاہ مثمل کی جائیہ ہے وستار بندی محق کی گئی۔ واقع رہے کہ حوار مرادک پر چاور چائی کرنے کے ساتھ جی ادائی ہی ۲۰۰۰ مورڈ میٹون کے ساتھ کی ایتقاء مجھی موقع ہے۔ چاہر مقد مثان کی پائٹ موتیس بھاصف اور کاری دیا تھی موجود ۵ متا اکھیشن براوری کی طوف ہے جائی گ





ઊંટ કઈ તરફ બેશે છે તેનો ભરોસો જ નથી



એ ક મરાઠી કહેવત છે. (ઊંટ કોણ્યા કાની બસેલ ત્યાચા નેમ નાહી) એટલે કે ઊંટ કઈ તરફ બેસશે તે અગાવ થી ચોક્કસ રીતે કહી શકાય નહિ. આ કહેવત ભલે મરાઠી કહેવત

સાહિત્યમાં છે પણ ખરી રીતે તો એ મારવાડ બાજાુ ની જ કહેવત નું મુળ હોવુ જોઈએ. કારણ એ પ્રદેશ માં જ ઊંટ વઘારે પ્રમાણ માં હોય છે.

આ કહેવત ની વાર્તા એવી છે કે એક વખતે એક ઊંટ જંગલ માં મુસાફરી કરતું હતુ. તેની એક બાજુ એ લીલો ભાજીપાલો લાદેલો હતો અને બીજી બાજુએ માટીના વાસણ લાદેલા હતા. ભાજીપાલા નો માલિક કાછોઓ અને વાસણ નો માલિક કંભાર હતો. તેઓ બન્ને ઊંટની સાથે જ ચાલી રહ્યા હતા.

રસ્તા માં તે ઊંટ પોતાનું મોં વારંવાર ફેરવીને પેલા

ભાજીપાલો ખાઈ જતું હતુ તે જોઈને પેલો કુંભાર મનમાં ખુબ હસતો હતો વળી સ્વભાવનો યે મુર્ખ હોવાથી કાછીઓને તે વારંવાર ચીઢવતો પણ ખરો. તેની મશ્કરી પણ તે કરતો.

કાછીઓ અનુભવી અને દીર્ધ દ્રષ્ટિવાળો હતો. પ્રથમ તો તેણે ગંભીર થઈને ચુપ કીદી જ પકડી હતી. તે કંઈ પણ બોલ્યો નહિ.

બપોર થયુ એટલે આ બન્ને વિશ્રાન્તિ ને માટે થોભ્યો. ઊંટ પણ બેસવા નો દ્રઢ નિશ્વય કર્યો. જે બાજોએ ભાર પુષ્કળ થયેલો હોવાથી ઊંટ તે તરફ ન સ્વાભાવિક રીતે નીચુ નમ્યું અને એ જેવુ નમ્યુ કે તરત જ માટીના વાસણોનો કચ્ચડઘાણ વળી ગયો. કાછીઆ એ હવે મોઢુ ઉઘાડયુ. તેણે કહ્યુ–જોયું ને ? ઊંટ કઈ બાજુ એ બેસે છે તેનો ભરોસો જ નથી. આ કહેવત નો મર્મ ઊંડો છે.

આ કહેવત માં ભલે ઊંટ પ્રતીક હોય પણ એનો મર્મ બહુ ઊંડો છે. ' આપણા ઉપર દુઃખ કયારે આવી પડશે તેની આપણ ને અગાઉથી ખબર હોતી નથી.' આ જ મુજબ ' દગાબાજ કયારે દગો દે તે કહેવાય નહીં' કાચા કાન નો કયારે ફરી જાય તેનો ભરોસો નહિ' આ અર્થ પણ તાણવી શકાય છે.









ઓલ ઇન્ડિયા મેમન જમાત ફ્રેડરેશન યુથવિંગ દ્ધારા ૭૧ માં ગણતંત્ર દિવસની ભવ્ય ઉજવણી

આપણી માતૃભૂમીને અંગ્રજોની લોખંડી બેડીઓ ની ચુંગાલમાંથી ૧૫ ઓગસ્ટ ૧૯૪૭નાં રોજ આઝાદી યળી.એ સમયે ભારતમાં કોઇ કાયમી બંધારણ અમલમાં **ન** હતું.આઝાદ થવાં છતાં આપણા દેશમાં રાજા પંચમ જયોર્જનું આધિપત્ય અને લોર્ડ માઉન્ટબેટનનું ગવર્નર જનરલ પદ યથાવત હતું. ભારતમાં બ્રિટીશ ગર્વમેન્ટ દ્વારા ઘડવામાં આવેલા ગર્વમેન્ટ ઑક ઇન્ડિયા એકટ ૧૯૩૧ પર આધારીત કાયદાઓનો અમલ થતો હતો.૨૯ ઓગસ્ટ ૧૯૪૭ના રોજ કાયમી બંધારણની રચના માટે ડૉ. ભીમરાવ આંબેડકરના વડપણ હેઠળ એક મુસદ્દા સમિતિનું ગઠન કરવામાં આવ્યું.આ સમિતિ દ્વારા મુસદ્દો તૈયાર કરી ૪ નવેમ્બર ૧૯૪૭ના રોજ બંધારણસભામાં રજુ કરવામાં આવ્યો. બે સવા બે વર્ષના સમયગાળાની મથામણ બાદ ઘણાં વિચારવિર્મશ અને સુધારા પછી આપણું વર્તમાન બંધારણ દિન ૨૬ જાન્યુઆરી ૧૯૫૦ના રોજ અમલમાં આવ્યું.

આઝાદીની લડતમાં અંગ્રેજ શાસન સામે ગાંધીજી અને અન્ય નેતાઓની પડખે ઉભા રહેનાર,અગ્રેસર રહી આઝાદીની દરેક ચળવળોમાં ભાગ લેનાર, આઝાદી બાદ બંઘારણ ઘડતા સમયે પણ પોતાનું મહત્વપૂર્ણ યોગદાન પ્રદાન કરનાર તમામ મુસ્લિમ કોમ સહીત મેમણ સમાજન વડવાઓએ સમસ્ત મેમણ કોમને દેશપ્રેમ,ભાઇચારો, એકતા અને સોહાર્દનો પાઠ ગળથુથીમાં આપ્યો છે. દેશના વિકાસમા ફાળાની બાબત હોય, દેશ કાજે તન,મન અને ધનની કુરબાનીની જરૂરત પડે મેમણ સમાજ હંમેશા આગળ આવી પોતાનો મહતમ ફાળો પ્રદાન કરતો આવ્યો છે. કોઇપણ કોમ, જ્ઞાતી, જાતી સાથે હળી-મળી દુધમાં સાકરની જેમ રહેનાર મેમણ સમાજ દેશપાં યોતાની ઐતિહાસીક પરંપરા મુજબ સ્વતંત્રતા દિવસ, ગણતંત્ર દિવસ વગેરે રાષ્ટ્રીયપર્વાની ઉમંગપૂર્વક ઉજવણી કરતા ગૌરવ અને હર્પ અનુભવે છે.

સમસ્ત ભારતવર્ષની ૫૦૦ મેમણ જમાતોના એકમાત્ર અગ્રીમ સંગઠન ઑલ ઇન્ડિયા મેમણ જમાત ફેડરેશન હારા દર વર્ષે ૨૬ જાન્યુઆરીના રોજ મહંમદઅલીરોડ,મુંબઇ સ્થિત સંગઠનના હેડકવાર્ટરના પટાંગણમાં ગણતંત્રદિવસની ભવ્ય ઉજવણી કરી સમાજ વડવાઓની પરંપરાને જાળવવા સાથે દેશપ્રેમ અને વફાદારીની ભાવનાને ઉજાગર કરતા કાર્યક્રમો હારા કોમમાં દેશબાંઘવો સાથે એકતા,સોહાર્દ અને ભાઇચારાને વધુ મજબૃત કરવાનો ભાવ કેળવવામાં આવે છે.

૨૬ જાન્યુ.૨૦૨૦ના રોજ પણ AIMJFની આ પરંપરા મુજબ બેગમોહમ્મદપાર્ક,મુંબઇ ખાતે ૭૧માં ગણતંત્ર દિવસની સંગઠનની યુથવિંગ દ્વારા ઉજવણી કરાઇ. આ સમારોહમાં સંગઠનના હોફેદારો, મહેમાનો, મહાનુભવો સહીત મેમણ સમાજના લોકો ઉપરાંત વ્હોરા,, કોંકણી, કેરાલીયન,જૈન, ગુજરાતી, શીખ, મરાઠી, બંગાળી જેવી વિવિધ જાતી, મઝહબ અને પ્રાંતના ૪૦૦ ઉપરાંત લોકોની હાજરી થકી ભારતની અનેકતામાં એકતાની સંસ્કૃતિની પ્રત્યક્ષ ઝાંખી જોવા મળી હતી. મો. યાસીન આસીફ મેમણની કર્ણપ્રિય પવિત્ર કલામ-એ-પાકની તીલાવત તથા રાષ્ટ્રિય ગીત અને મેમન એન્થમની ગૂંજ સાથે આ રંગારંગ નાત અને મેમન એન્થમની ગૂંજ સાથે આ રંગારંગ સમારોહની શરૂઆત કરવામાં આવી. યુથવિંગ ચેરમેન ઇમરાનક્રુટવાળાએ પધારેલ તમામ મહેમાનોને આવકારતું સ્વાગત પ્રવચન કર્યું. ખાસ આ પ્રસંગે વિદેશથી પધારેલા મહેમાન ડૉ. ઇસ્માઇલ હારૂનાણી (વા. પ્રેસિડેન્ટ, યુરોપ ચેપ્ટર)મુખ્ય અતિથિપદ શોભાવ્યું હતું.

કાર્યક્રમમાં રાષ્ટ્રિય ધ્વજ આરોહણ આફ્રિન શેખ(કોર્પોરેટર),રઝિયાબાઇ ચશ્માવાળા, ફરીદાબાઇ



આગબોટવાળા, જુબેદાબાઇ ખંડવાણી, હમીદાબાઇ ભીવંડીવાળા, અને પાયધુની પોલીસ સ્ટેશનનાં મુખ્ય પોલીસ અધિક્ષક દ્વારા સામુહીક રીતે કરવામાં આવ્યું. અત્રે પધારેલ તમામ મહાનુભવોને પ્રવેશ સાથે સૈફિ સ્કાઉટ અને હાસમીયાહ હાઈસ્કૂલના બાળકો દ્વારા ગાર્ડ ઑફ ઓર્નર આપી સત્કારવામાં આવ્યા.

આ પ્રસંગે દેશપ્રેમ, એકતા, સોહાર્દ અને ભાઇચારાના પ્રખર હિમાયતી અને સંદેશાવાહક પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમણ ઑફિસર સાહેબે પોતાના પ્રાસંગીક પ્રવચનમાં મેમણ સમાજના વડવાઓના આઝાદીની લડતમાં યોગદાનને યાદ દેવડાવ્યું હતું. સમસ્ત સમાજને ભવ્ય વારસો પ્રદાન કરી કોમને ગૌરવ બક્ષવા માટે ઋણ સ્વીકાર કરી એમના માટે દુઆ યાચના કરી હતી. વર્તમાન મેમણ સમાજના આર્થિક અને ઔદ્યોગીક માયલે દેશના વિકાસમાં ફાળાનો ઉલ્લેખ કરી સમાજની દેશ પ્રત્યેની વફાદારીના સંકલ્પને દોહરાવ્યો હતો.

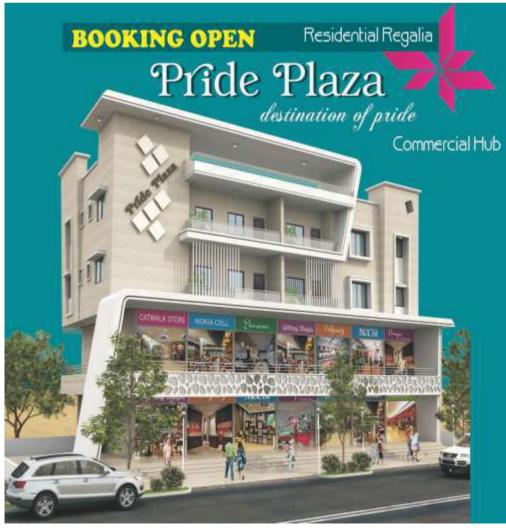
આ સમારોહમાં હાજર રહેલા અન્ય મહાનુભવો માં આસીફ અબ્બાજુમા, સુહેલ ખંડવાણી, શરીફ મેમણ, યાસીન ડેડા, અબ્દુલ્લાહ ગાડાવાળા, નાકિબ નૂરાની, ઝુબેર સોરઠીયા, શેહરબાનુ ગુલ્લર, કુંદુસ નૂરાની, શાહનવાઝ યુનાવાળા, ફીરોઝ લાકડીવાળા, ફયાઝ બાસમતવાળા, નીઝામુદ્દીન રાઇન, રીઝવાન કોટાવાળા, જહાંગીર ભાભા, અનવર પીશોરી, લતીફ બાટલીવાળા, સલીમ મરચન્ટ, હા. રીયાઝ મેમણ, ડૉ. અ.૨જ્જાક હૉલી, આસીફ કાસ, સાદ મેમણ, ઇરફાન લાઘા, યુસુફ સાકરવાળા, નાસીર પઠાણ, સાજીદ સોપારીવાળા, અ. ર્રહમાન, હાસીમ દોકડીયા, ફરીદ ગીગાણી, અનવર નાગરીયા, હદી ભાવનગરવાળા, અહિંર છત્રીવાળા, અલ્તાફ, નદીમ પટેલ, ડૉ. મરીયમ હિંગોરા,તબસ્સુમ ઘોરાજીવાળા, અસ્માલાકડાવાળા વગેરે સહીત અનાથાલયના બાળકો પણ શામેલ રહ્યા હતા.

અત્રે આજ દિવસે યોજાયેલ એક અન્ય કાર્યક્રમમાં AIMJF બોર્ડ રૂમમાં મેમણ સમાજના વૈશ્વિક સંગઠન ઇન્ટરનેશનલ મેમણ આર્ગેનાઇઝેશન(IMO) ની બોર્ડ મિટીંગનું આયોજન કરાયું હતું. ઘંઘાકીય તેમજ સામાજિક કેત્રે વૈશ્વિક મેમણ સમાજને નવી ઉચાઇ પ્રદાન કરનાર આ સંગઠનની પ્રવૃત્તિઓને વધુ વેગવંત બનાવવા અંગે ચર્ચા વિચારણા કરવામાં આવી. સાથે આ મિટીંગમાં ઇમરાન ફ્રુટ વાળાને સંગઠનની ગ્લોબલ યુથિંગના ડે.પ્રેસિડેન્ટ,હમીદબાઇ ભીવંડીવાળાને ઇન્ડિયા ચેપ્ટર બોર્ડ મેમ્બર તરીકે નિયુક્ત કરવામાં આવ્યા.IMOના બેનર ઠેઠળ ઉચ્ચ સામાજિક યોગદાન આપવા માટે તથા સંગઠનને વૈશ્વિક માન્યતા અને લોકચાહના પ્રાપ્ત કરવામાં મહત્વપૂર્ણ યોગદાન આપવા માટે હાજર પદાયિકારીઓએ IMO ડે. પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમણ ઑફિસરનો આભાર વ્યક્ત કર્યો હતો. મિટીંગમાં ગણતંત્ર દિવસની ઉજવણી નિમિત્તે પઘારેલા સંગઠનના તમામ પદાયિકારીઓ હાજર રહ્યા હતા.

ઉપરાંત બપોરે ૧-૩૦ કલાકે AIMJF ઑફિસમાં યુથવિંગની કોર કમિટીની મિટીંગનું પણ આયોજન કરાયું હતુ. યુથવિંગ ટીમના તમામ કન્વીનરો તેમજ સહાયકોનું શાલ ઓઠાડી સન્માન કરાયું. સંગઠનની પ્રવૃત્તિઓ અને કામોના રીપોર્ટ રજુ કરવા સાથે સમસ્ત દેશની મેમણ જમાતોમાં યુથવિંગની રચના કરી સમાજયુવાઓને સાચી દિશન પ્રદાન કરવા અને ભવિષ્યાન નવી યોજનાઓને અમલમાં મુકી સામાજિક પ્રગતીનો ગ્રાફ વધુ ઉચ્ચ સ્તરે લઇ જવા માટે ચર્ચાવિચારણા કરવામાં આવી.

જનાબ ઑફિસર સાહેબે યુવાવિકાસમાં પોતાના મહતમ પ્રયાસ કરનારા યુથવિંગ ચેરમેન ક્રુટવાળા તેમજ યાસીન ડેડા, નદીમ પટેલ વગેરેને બીરદાવી સમાજ માટે વધુ જોશ અને ઉત્સાહ સાથે કાર્ય કરવા પ્રેરણા આપી હતી તથા સંગઠનની આગામી AGMની તૈયારીમાં લાગી જવા નિર્દેશ આપ્યો હતો.

> પ્રસ્તુતકર્તા : અલ્તાફ હૉલી સી.ઇ.ઓ.-AIMJF)





AIMJF ની લોકઉપયોગી પેટ્રન કાર્ડ લીલ્લાહ ફંડ સ્કીમમાં સહયોગ કરો.

પાછલા ચાર વર્ષમાં સંગઠન પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમણ ઑકિસર સાહેબની સર્વમાન્ય અને સર્વસંમત અધ્યક્ષતામાં સંપૂર્ણ પારદર્શક પદ્ધતિએ કોઇ પણ પ્રકારના ભેદભાવ વગર શેહ, શરમ કે ભલામણ રહીત સંચાલીત કરવામાં આવી રહેલ લોકઉપયોગી યોજનાઓ વડે સમાજસેવાના કાર્યોમાં નોંધપાત્ર સફળતા અને પરિણામ પ્રાપ્ત કર્યા છે. આ યોજનાઓ અમલમાં મુકવા માટે જુદી જુદી સમિતિઓનું ગઠન કરી એનું સંચાલન જે તે વિષયના નિષ્ણાંત એવા ફેડરેશનનાં કાર્યકર્તાઓને સોંપવામાં આવ્યું છે. આ સમિતિઓએ પોતાના કાર્યક્ષેત્રમાં સંપૂર્ણ પારદર્શક પદ્ધતિ અને પુરે પુરી તહેકીકાત કરી દરેક જમાતો તેમજ વિસ્તારોના ખરા જરૂરતમંદો સુધી ફેડરેશન તરફથી ફાળવવામાં આવતી તમામ પ્રકારની રોકડ સહાય પહોંચતી કરી છે. સમગ્ર સમાજ તરફથી આવતી અરજીઓનું તટસ્થ મૂલ્યાંકન કરી એને યોગ્ય અને સરૂપ ન્યાય આપવાના પ્રમાણીક, સનિષ્ઠ પ્રયાસ કર્યા છે એમાં કોઇ જ બેમત નથી.

પાછલા વર્ષોમાં AIMJFની જુદી જુદી વિંગો હારા એમના કાર્યક્ષેત્રને આવરી લેતા મહત્વપૂર્ણ કાર્યો ને સિદ્ધ કરવા આગવા અને અનુસરણિય આયોજનો હારા ફેડરેશનના હોનહાર અને પરગજુ ખીદમતગારોએ પ્રેસિડેન્ટ ઑફિસર સાહેબની આગેવાનીમાં એમના માર્ગદર્શન હેઠળ પોતાના તન, મન અને ઘનની કુરબાનીયોં આપી સમાજસેવા ક્ષેત્રે ભરપુર યોગદાન આપ્યું છે. સંગઠનને તેનાં કાર્યો વડે માત્ર મેમણ સમાજ જ નહીં પરંતુ સમસ્ત મુસ્લિમ સમાજનું ઘ્યાન આકર્ષિત કરી તમામ સંગઠનોને એમાંથી પ્રેરણા અને માર્ગદર્શન પુરૂ પાડયું છે. માટે જ આજે ઑલ ઇન્ડિયા મેમણ જમાત ફેડરેશનની શાખની સુવાસ માત્ર ભારત દેશ પુરતી મર્યાદીત ન રહેતા દેશના સીમાડા ઓળંગી સમસ્ત આલમી મેમણ સમાજમાં પ્રસરેલી છે.

ફેડરેશનની લેડીઝ વિંગ હારા રઝિયાબાઇ ચશ્માવાળાની આગેવાનીમાં મેરેજ બ્યુરોનું સંચાલન, મેરેજ હેલ્પ સ્ક્રીમ હારા ગરીબ અને મધ્યમવર્ગીય પરિવારોના સંતાનોના લગ્ન પ્રસંગે આર્થિક સહાય તેમજ મહીલાઓને આત્મનિર્ભર કરવા માટે જુદી-જુદી હુન્નર શીખવતા પ્રશિક્ષણ કેન્દ્રોની સ્થાપના તેમજ સીલાઇ મશીન વગેરે માટે રોકડ સહાય, પોશાક સહાય વગેરે સ્ક્રીમો ચલાવવામાં આવે છે.યુથ વિંગ, ડિઝાસ્ટર મેનેજમેન્ટ વિંગ હારા સાથે મળી

દેશની તમામ મેમણ જમાતોમાં યુથવિંગની સ્થાપના કરી ઇમરાન ફુટવાળાની અધ્યક્ષતામાં મોટીવેશનલ કાર્યક્રમો, સેમિનાર, મેડીકલ કેમ્પ, એજયુકેશનલ પ્રોગ્રામો વગેરેના આયોજનો હારા સમાજયુવાઓને પ્રેરણા, પ્રોત્સાહન અને આગળ વધવા માટે જરૂરી માર્ગદર્શન પુરૂ પાડવામાં આવે છે. કુદરતી હોનરતો કે માનવસર્જીત વિપદાઓમાં પડખે ઉભા રહી જરૂરી હુંફ અને આર્થિક તેમજ જીવનજરૂરી સહાય પુરી પાડવામાં આવે છે. સંગઠનની સ્પોર્ટસ્ વિંગ આસીફ અબ્બાજુમાના વડપણ હેઠળ વિવિધ રમતોની ટુર્નામેન્ટોનું આયોજન કરી તેમજ યુવાઓના પ્રશિક્ષણ માટે વ્યવસ્થા ઉભી કરી સમાજના રમતવીરોનું કૌશલ્ય બહાર લાવવામાં પોતાનો અગ્રીમ ફાળો પ્રદાન કરી રહી છે.

ફેડરેશનની મકાન સહાય, મેડીકલ સહાય અને એની તમામ વિંગો દ્વારા ચલાવવામાં આવતી પ્રવૃત્તિઓ ઉપરાંત AIMJF દ્વારા એક અન્ય લોકઉપયોગી અને



જનપ્રિય એવી સમાજના મધ્યમવર્ગીય પરિવારો માટે પેટ્રનકાર્ડ લીલ્લાહફંડ વગર વ્યાજની લોન સ્કીમ ચલાવવામાં આવે છે.આ યોજનાના સંચાલન માટે ધંધાકીય તેમજ ઔદ્યોગીક અને બેંકિંગક્ષેત્રના નિષ્ણાંત એવા સંગઠનના ત્રણ સભ્યોની કમિટીનું ગઠન કરવામાં આવેલ છે જેનો કારભાર ફેડરેશનના જ.સેકેટરી શાકિરભાઇ બાટલીવાળાને સોંપવામાં આવેલ છે. જેઓ સ્વયં ઔદ્યોગીક તેમજ બેંકિંગ ક્ષેત્રના નિષ્ણાંત છે.આ યોજનામાં બેંકિંગ પદ્ધતિ પ્રમાણે જરૂરી તમામ ખરા ડોકયુમેન્ટો અને યોગ્ય ગેરંટર પુરા પાડી સમિતિ પાસે લોન અરજી કરવાની રહે છે. આ સમિતિ યોગ્ય તહેકીકાત, જાત તપાસ કરી તમામને એનો લાભ મળી રહે એ રીતે ન્યાયીક પદ્ધતિએ રૂા. બેલાખ સુધીની લોનની ફાળવણી કરે છે.જેમાં કોઇ પણ પ્રકારની લાગવગ, ભલામણ કે વ્હાલા દવાલાની નીતી અપનાવવામાં આવતી નથી.

ફેડરેશનની આ યોજના હારા ઝકાતના મુસ્તહીક ન હોય પણ સ્વયં ઝકાત નીકાળનારની વ્યાખ્યામાં આવતા હોય પરંતુ આર્થિક અને ઘંઘાકીય રીતે મુડીના અભાવે પોતાના કારોબારનો વિકાસ કરી શકવા માટે સમર્થ ન હોય છતાં પોતાની ખુદૂારીના લીધે કોઇ સામે મદદ માટે હાથ પણ ન ફેલાવી શકતા હોય તેવા મઘ્યમવર્ગીય પરિવારો માટે આ યોજના આશીર્વાદરૂપ પુરવાર થઇ છે. પઠાણી વ્યાજોના ચક્કરમાંથી સમાજના વેપારીવર્ગને તેમજ ડ્રાયવરભાઇઓને મુક્તિ અપાવનાર ફેડરેશનની આ યોજનાનો અત્યાર સુધી ઘણી જમાતોના સભ્યો લાભ મેળવી ચૂકયા છે.આનંદની વાત એ છે કે આ લોન યોજનામાં આજ સુધી કોઇ ડીફોલ્ટર નથી જે એનું સંચાલન કરનાર સમિતિના યોગ્ય અને તટસ્થ નિર્ણય સૂચવે છે.

માત્ર દૈનિક રા.૧૭/- અથવા માસિક રા.૫૦૦/- કે વાર્ષિક ૬૦૦૦/- રા.ની રકમના લીલ્લાહદાનની યોજનામાં જોડાઇ સમાજજનોનું હિત હૈયે ધરાવતા સખીદાતાઓએ આ યોજનાને સફળ બનાવવામાં મહત્વપૂર્ણ યોગદાન આપ્યું છે.આર્થિક રીતે સક્ષમ હોય તેવા દરેક ભાઇ બહેનોએ જો હાલ સુધી આ સ્કીમમાં ના જોડાયા હોય તો ત્વરીત સંપર્ક કરી એમાં જોડાઇ સહયોગ પુરો પાડવો જોઇએ. આપની આ દૈનિક ગુટખા,બીડીમાં જતી હોય એટલી નજીવી રકમનું દાન સમાજના ઘણાં જરૂરતમંદોની જીંદગી પલટવા માટે નિમિત બની શકે છે.

સમાજ માટે આટલી આશીવાંદરૂપ યોજનાનો લાભ સમસ્ત સમાજને મળી રહે તે માટે બનતા તમામ પ્રયાસ કરવામાં આવી રહ્યા છે. કેટલાય લોકોની કુરબાનીયોં વડે એકઠી કરેલી રકમનો લાભ માત્ર એક પરિવારને કે વિસ્તારને વારંવાર મળે એવી અપેક્ષા રાખવી કોઇપણ દ્રષ્ટિએ યથાયોગ્ય નથી. એન કેન પ્રકારે ડોકયુમેન્ટ ઉભા કરી કે દબાણ લાવી, ભલામણોનો મારો કરી સમિતિના કાર્યોમાં મુશ્કેલી ઉભી કરવાનું અને પોતાનું કામ ન થયે ઉત્સાહપૂર્વક એનું કાર્ય કરી રહેલા આગેવાનોને ક્ષોભજનક સ્થિતીમાં મુકી ગુનાહમાં પડવાનું શાણા અને સમજદાર વ્યક્તિનું કામ નથી.બલ્કે આ મુહીમમાં પોતે જોડાઇ તેમજ આર્થિક રીતે સદ્ધર એવા સમાજના અન્ય લોકોને આ ફંડમાં રકમ જમા કરાવવા માટે પ્રોત્સાહીત કરવા મદદરૂપ બનવું જોઇએ. આથી ઘણાં મધ્યમવર્ગીય પરિવારોના આશીર્વાદ અને દુઆઓ મળશે જે બરકતોના તમામ દ્વાર ખોલી આપશે.

પ્રસ્તુતકર્તા ઃ શાકિર બાટલીવાળા જ.સેક્રેટરી-AIMJF)



Food Product Wholesalers - ITC, Food Product





MD SONS Corporate Office:
M D Towers, 1St Floor, #84, 2nd
'Main' N T Pet,Next to Minto Eye Hospital,
Charmaraj Pet,Bangalore - 560 002.





Food Product Wholesalers - ITC, Food Product

OKAY ENTERPRISES Corporate Office: M D Towers, 1St Floor, #84, 2nd 'Main' N T Pet,Next to Minto Eye Hospital, Charmaraj Pet,Bangalore - 560 002.

AIMJF ની આગામી રાષ્ટ્રિય કારોબારી સમિતિની બેઠક માર્ચ-૨૦૨૦માં યોજાશે.

સમસ્ત મેમણ સમાજના સર્વાંગી વિકાસ અને કોમના જરૂરતમંદોના ઉત્થાન માટે સદા જાગૃત અને કાર્યરત દેશભરની ૫૦૦ મેમણ જમાતો, વિવિધ સામાજિક સંગઠનો તેમજ કોમના દેશ વિદેશના તમામ હરોળના આગેવાનો સાથે સંલગ્ન એવા સમાજના શિર્ષસ્થ સંગઠન ઑલ ઇન્ડિયા મેમણ જમાત ફેડરશનની પરી ટીમે ગત વર્ષોમાં એનાં સક્ષમ અને પરગજ . પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમણ ઑફિસર સાહેબની .. અધ્યક્ષતામાં ઘણી ઉચ્ચસ્તરીય લોકોપયોગી કામગીરીઓ બજાવી જાણી છે. કેડરેશન દ્વારા પોતાના કાર્યક્ષેત્રમાં પ્રાપ્ત કરવામાં આવેલ અદ્વિતીય સફળતામાં સંગઠન સાથે જોડાયેલ સન્માનિય હોફેદારો, બોર્ડ મેમ્બરો, ઝોનલ સેક્રેટરીઓ, એન.ઇ.સી. સભ્યો, સહીત તમામ અદનામાં અદના હિતેચ્છુઓનો પ્રમુખ ફાળો રહ્યો છે.ફેડરેશન અને જમાતો વચ્ચે સેતુ સમાન પુરવાર થયેલા સંગઠનના હોદ્રેદારો AIMJF પ્રેસિડેન્ટ ઑફિસર સાહેબને પોત પોતાના[ં]વિસ્તારની જમાતો અને જે તે એરીયાની સમસ્યાઓ વિશે અવગત અને અપડેટ રાખી સંગઠનને પોતાનું કાર્યક્ષેત્ર દેશના છેવાડામાં છેવાડે વસતા સમાજબંધુ સુધી વિસ્તારવામાં મદદરૂપ બન્યા છે.

AIMJF હારા દેશના તમામ વિસ્તારના મેમણ સમાજના જરૂરતમંદોને ફેડરેશનની જુદી જુદી યોજનાઓ અંતર્ગત સહાય માટે, માનવસેવાના સાર્વજનિક કાર્યો માટે તેમજ વિવિધ સંગઠનો અને જમાતોને સામાજિક સેવાકાર્યો, ઇમારતોના નિર્માણ અને સમાજના બેરોજગારો માટે ઔદ્યોગીક તકો ઉભી કરવા માટે ફાળવવામાં આવેલ ફેડરેશન ઇતિહાસની નવિન સિમાચિહ્નરૂપ કરોડો રૂપિયાની આર્થિક મદદ માટે ભંડોળ પુરૂ પાડનાર સમાજના નેક અને પરાઇ પીડને પોતીકી સમજનારા સખીદાતાઓ(દાનેશ્વરો)નો અગ્રીમ ફાળો સામેલ રહ્યો છે.

ફેડરેશનના તમામ હોદ્દેદારો, બોર્ડ મેમ્બરો તેમજ સંગઠન દ્ધારા નિયુકત કરવામાં આવેલ પ્રતિનિધીઓ સાથે અદ્ભુત તાલમેલ સાધી, ઘરોબો કેળવી તમામને નામજોગ યાદ રાખી સકવાની પોતાની કુદરતી બિક્ષિસ અને નિખાલસ રનેહ વડે એક કુટુંબ વડીલની માફક ફેડરેશન પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઑફિસર સાહેબે સંગઠનના દરેક તબકામાં તેમજ વર્તમાન મેમણ સમાજના પ્રમુખ આગેવાનો સહીત અન્ય મુસ્લિમ કોમોના આગેવાનોમાં પણ બેમિસાલ લોકપ્રિયતા પ્રાપ્ત કરી છે.

ફેડરેશનનો ગત વર્ષોમાં વધેલો વ્યાપ અને સંગઠને ઑફિસર સાહેબની અધ્યક્ષતામાં મેળવેલી અદ્ભુત લોકચાહના અને ધ્યેચોમાં સફળતા પાછળ નિસ્પૃહ,નિસ્વાર્થ પણે પારદર્શક રીતે કરવામાં આવેલી કામગીરી જવાબદાર રહી છે. સમગ્ર ભારતભરમાંથી આવેલ સહાય અરજીઓનું બારીકાઇથી અવલોકન કરી,દસ્તાવેજો ચકાસી, જરૂરી તપાસ પછી હાજર સભ્યોના અભિપ્રાય સાથે બેગ મોહમ્મદપાર્ક,મુંબઇ ખાતે



આવેલ AIMJF ના હેડકવાર્ટરમાં સાપ્તાહિક મિટિંગોના સ્વરૂપે યોજાતી કારોબારી સમિતિની બેઠકોમાં ચર્ચાવિચારણા પછી નિર્ણય લઇ ફેડરેશન પ્રેસિડેન્ટની મંજુરીથી નિરાકરણ થતું આવ્યું છે. મિટીંગમાં હાજર તમામ સભ્યો જરૂરતમંદો દ્વારા મોકલવામાં આવેલા દસ્તાવેજો ચકાસી શકે અને પોતાના મંતવ્યો રજુ કરી શકે એવી સુરૂપ વ્યવસ્થા ઉભી કરી અરજીઓને મંજુરી આપવાથી ફેડરેશનની પ્રમાણિક છબી અને પારદર્શક વહીવટની પ્રતિષ્ઠા બળવતર બની છે.

સંગઠનની આ નિતી રીતી અને કાર્યશૈલીને વધુ લોકોમુખ અને પારદર્શક બનાવવા, સંગઠનના સદસ્યોની લાગણીને માન આપીને ફેડરેશન દ્વારા યોજવામાં આવતી મિટીંગોમાં માત્ર મુંબઇ કે આજુબાજુના વિસ્તારોના હોદ્દેદારો જ નહીં પરંતુ દેશના તમામ વિસ્તારોના ફેડરેશન પ્રતિનિધીઓ હાજરી આપી શકે અને પોતાના મંતવ્યો રજુ કરી શકે એવા સદ્આશય સાથે આગામી રાષ્ટ્રિય કારોબારી સમિતિની બેઠક વિશાળ ફલક સાથે યોજવાનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હે

આ સંદર્ભે AIMJF હારા ઘોષિત કરવામાં આવેલ જાહેરાત અનુસાર ઑલ ઇન્ડિયા મેમણ જમાત ફ્રેડરેશનની આગામી રાષ્ટ્રિય કારોબારી સમિતિ(NEC)ની બેઠક તા. ૮/૦૩/૨૦૨૦ને રિવવારના રોજ ઇસ્લામી જીમખાના મરીન ડ્રાઇવ, મુંબઇ ખાતે યોજવામાં આવશે.મિટીંગમાં હાજર રહેવા માટે સમગ્ર દેશના સંગઠનના તમામ બોર્ડ મેમ્બરો, ઝોનલ સેક્રેટરીઓ, એન.ઇ.સી. મેમ્બરો તેમજ ફેડરેશન સાથે સંલગ્ન પ્રતિનિધીઓને હાજર રહેવા સૂચિત કરવામાં આવેલ છે.

મિટીંગમાં મકાન સહાય, તબીબી સહાયની અરજીઓને બહાલી અને મંજુરી આપવા ઉપરાંત સંગઠનને વધુ સક્ષમ અને કાર્યદક્ષ બનાવવા માટેની નીતિવિષયક ચર્ચાવિચારણા કરવામાં આવશે. રવિવાર, ૧૪/૦૬/૨૦૨૦ના રોજ મુંબઇમાં યોજાનાર AIMJFની વાર્ષિક સભા(AGM)ના આયોજન માટે રાય મસલત કરવામાં આવશે. સાથે ૧૧ એપ્રિલના રોજ દર વર્ષે ભારત સહીત સમસ્ત વિશ્વમાં સામાજિક સેવાકાર્યોના કાર્યક્રમોનું આયોજન કરી મેમણ સમાજ દ્વારા યોજવામાં આવતા મેમણ ડે ની આ વર્ષની ઉજવણી બાબતે પણ વિચારવિર્મશ કરવામાં આવશે. મિટીંગને સફળ બનાવવા એમાં હાજરી આપી સંગઠનના દેશના તમામ વિસ્તારોના હોફેદારોને પોતાના ઉપયોગી અભિપ્રાયો અને મંતવ્યો રજુ કરી ફેડરેશનની કાર્યપ્રણાલીમાં સહભાગી બનવા આમંત્રણ પાઠવવામાં આવે છે.

પ્રસ્તુતકર્તા : અલ્તાફ હૉલી સીઇઓ-AIMJF)



SAFETY★ UNIFORM★ CASUAL TOTAL FOOTWEAR SOLUTIONS

19/b, Dontad Street, Khadak, Mumbai - 400 009. India Ph.: 2345 6448 / 2345 4458 / 2347 5288

E-mail: kheradiaenterprise@gmail.com



વસઇમાં AIMJF ના વ્હિતિય ઇન્ડસ્ટ્રીયલ ટ્રેનિંગ સેન્ટરનો શુભારંભ

AIM.IF હારા સમાજસેવાના કાર્યોમાં સતત અને નિરંતર સમાજઉપયોગી નોંધપાત્ર કામગીરીઓ સફળતાપૂર્વક અંજામ આપવામાં આવી રહી છે. લોકનાયક પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમન ઑફિસર સાહેબના દ્રઢ સંકલ્પનીય નેતૃત્વ હેઠળ ધરખમ પરીવર્તન આણી ફેડરેશનની ટીમે એપ્રિલ ૨૦૧૫થી ધરા સંભાળ્યા બાદ આજ સુધીમાં રૂા. ૩૨ કરોડની માતબર રકમની સહાય જેમાં ચાલુ વર્ષે ફાળવવામાં આવેલ ૯ કરોડની રકમ શામેલ છે, સમાજ જરૂરતમંદોને ફાળવી ફેડરેશન તેમજ સમાજસેવા ક્ષેત્રે કામ કરતી તમામ . સંસ્થાઓ માટે પ્રેરણાદાયી નવા સિમાચિહનો અંકીત કરી બતાવ્યા છે. AIMJF દ્વારા અમલમાં મુકવામાં આવનાર યોજનાઓમાં મકાન સહાય, મેડીકલ સહાય, વિઘવા સહાય. લોન સહાય. ખાદ્ય સહાય ઉપરાંત સામાજિક - સાર્વજનિક સેવાકાર્યોમાં ઉપયોગી રોકડ સહાય ને અનુલક્ષી ફાળવાયેલી આ રકમનો સચારૂ ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો છે. કેડરેશન તરફથી કરવામાં આવેલી મદદથી ઘણાં બેઘર લોકોને ઘરના ઘર, દર્દીઓને યોગ્ય સારવાર. ઘંઘારદારીઓને લોન સહાય પ્રાપ્ત થઇ છે. જમાતખાના, સ્કૂલો, હોસ્પીટલ, સોસાયટીઓના નિર્માણ માટે આર્થિક સહયોગ તેમજ અન્ય વિવિધ સદ્કાર્યો માટે ફેડરેશન તરફથી કરવામાં આવેલી સહાય થકી સમાજના ગરીબ અને મધ્યમવર્ગને બેઠા કરવામાં ઘાર્યા લક્ષ્ય સિદ્ધ કરવામાં આવ્યા છે. આ ઉપરાંત આર્થિક રીતે કમજોર જમાતોને પણ ફેડરેશનની આર્થિક હુંફથી નવી જીવાદોરી પ્રાપ્ત ઇર ટેશ

ફેડરેશનની આ તમામ લખાણ અને વખાણ લાયક કામગીરી ઉપરાંત ગત વર્ષે જનાબ ઑફિસર સાહેબે સમાજમાંથી બેકારી નાથવા મહીલાઓ આત્મનિર્ભર બને અને યુવાઓ સ્વાલંબી બની જીવન નિર્વાદ માટેનો રોજગાર મેળવી રાકે એવા શભઆશય સાથે કોમના લેનારા હાથોને આપનારા હાથોમાં તબદીલ કરવા માટે એક નવી પહેલ કરી દેશના જુદા-જુદા વિસ્તારોમાં AIMJF ના આર્થિક સહકાર સાથે રથાનિક મેમણ જમાતો અને સંસ્થાઓ સાથે મળી સામાજિક અને ઘરેલું ક્ષેત્રે પણ Skill Development ને પ્રાધાન્ય આપી જુદી-જુદી હનરો શીખવતા ઇન્ડસ્ટ્રીયલ ટ્રેનિંગ સેન્ટર ચાલુ કરાવવાની યોજના અમલમાં મુકી છે. ફેડરેશનની આર્થિક સહાયતા સાથે મેમણ સમાજના યુવક અને યુવતિઓને આ માટે નહીં નફો નહીં નુકસાનના ધોરણે નિઃશુલ્ક શિક્ષણ પ્રદાન કરવામાં આવશે.આ મુજબ દેશભરમાં વિવિધ શહેરોમાં ફેડરેશન હારા છ ઇન્ડસ્ટ્રીયલ

ટ્રેનિંગ સેન્ટરો શરૂ કરવાનું વિચારવામાં આવ્યું હતું. આ અંતર્ગત ગત વર્ષે AIMJF દ્વારાતા. ૨૫ ઓગસ્ટ ૨૦૧૯ને રિવવારના રોજ હૈદરપુરા, ખદાન-આકોલા ખાતે પ્રથમ ઑલ ઇન્ડિયા મેમણ જમાત ફેડરેશન ઇન્ડસ્ટ્રીયલ ટ્રેનિંગ સેન્ટર શરૂ કરવામાં આવેલ છે જેનું સફળતાપૂર્વક સંચાલન કરવામાં આવી રહ્યું છે.અત્યાર સુધી સમાજના ઘણા ભાઇ બહેનો એનો લાભ લઇ વિવિધ હુન્નરોમાં પારંગત બની શકયા છે.

આ અંતર્ગત મેમણ સમાજના ૫૦૦ ઉપરાંત ઘરોની વસ્તી ઘરાવનાર મુંબઇથી સંલગ્ન વસઇમાં ઑલ ઇન્ડિયા મેમન જમાત ફેડરેશન હારા તા ૧૬/૦૨/૨૦૨૦ ને રિવારના રોજ સંગઠનના પ્રતિનિધી મંડળ, સ્થાનિક જમાત અને સંસ્થાઓના હોદૃેદારો તેમજ રાજકીય આગેવાનો, ઉદ્યોગપતીઓ, મહેમાનો, મહાનુભવો અને સ્થાનિક લોકો મળી ૭૦૦ ઉપરાંતની જનમેદનીની હાજરી વચ્ચે આ પ્રકારના બીજા ઇન્ડસ્ટીયલ ટેનિંગ સેન્ટરનો ભવ્ય ઉદ્દ્યાટન સમારોહ



યોજાયો હતો. પવિત્ર કલામ-એ-પાકની તીલાવત સાથે કાર્યક્રમની શરૂઆત કરવામાં આવી. સ્વાગત પ્રવચન ઇમરાન ક્રુટવાળા દ્વારા કરવામાં આવ્યું. દરમ્યાન આ ટ્રેનિંગ સેન્ટરનું જનાબ ઇકબાલ મેમન ઑફિસર સાહેબ ઉપરાંત વસઇના માજી યુસ્લિમ મેયર સગીર ડાંગે તેમજ રઝિયાબાઇ ચશ્માવાળાએ સાથે મળી ઉદ્દ્વાટન કર્યું હતું.

ઉલ્લેખનીય છે કે આ ટ્રેનિંગ સેન્ટરમાં તાલીમ મેળવવા માટે અત્યાર સુધી ૨૦૦ ઉપરાંત સ્ટુડન્ટો એડમીશન લઇ ચૂકયા છે. આ સેન્ટરમાં બહેન દીકરીઓ માટે ભરત, ગુંથણ, સીલાઇ, મહેંદી, શુંગાર, શણગાર તેમજ કોમ્પ્યુટર વગેરેને લગતા વિવિધ હુન્નરો તદૃન નિઃશૂલ્ક શીખવવામાં આવશે. આશા છે કે વસઇના લોકો કોમની બહેન દીકરીઓ અને યુવાઓને સ્વા⊞બી બનાવનાર આ સેન્ટરનો વધુમાં વધુ લાભ મેળવી ફેડરેશનની મૃહીમને સાર્થક અને સફળ બનાવશે.આ પ્રસંગે પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઑફિસર સાહેબે પોતાના પ્રેરેક પ્રવચનાર ઓ સેન્ટર ચાલુ કરાવવામાં મહત્વપૂર્ણ રસ ઘરાવનાર લેડીઝવિંગ ચેરમેન રઝિયાબાઇ ચશ્માવાળાની કામગીરી ને બીરદાવી જણાવ્યું હતું કે બહેન દીકરીઓ ફાજલ સમયને

મોબાઇલ ઇન્ટરનેટ કે ઇરાન તુરાનની વાતોમાં વેડફવાના બદલે એનો સદ્ધપયોગ કરી વિવિધ હુન્નર શીખી આત્મનિર્ભર અને પગભર બને અને પોતાના પરિવાર માટે મદદરૂપ થાય એ આ તાલીમ કેન્દ્રનો મુખ્ય આશય છે. સમારોહમાં અન્ય મહાનુભવોએ પણ પોતાના વકતલ્યમાં AIMJF દ્ધારા શરૂ કરવામાં આવેલ આ સેન્ટર માટે ફેડરેશન પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઑફિસર સાહેબ અને રઝિયાબાઇ ચશ્માવાળાને ધન્યવાદ આપી એમની કામગીરીને બીરદાવી હતી. તથા એનાથી થનાર ફાયદાઓનો ઉલ્લેખ કરી સમસ્ત સમાજ વતી આભાર પ્રદર્શીત કર્યો હતો.

સમારોહ દરમ્યાન મેમણ સમાજ સહીત સમસ્ત મુસ્લિમ સમાજને નવી દશા અને દિશા પ્રદાન કરવા તથા કોમની ઉન્નતી માટે પોતાના ઉપયોગી મંતવ્યો, અભિપ્રાયો, સુચનો અને આઇડીયાઓ વડે કિંમતી માર્ગદર્શન પુરૂ પાડી, રહેનુમાઇ કરનાર તેમજ પોતાના પ્રમુખ યોગદાન અને કરબાનીયો સાથે એને અમલમાં મુકાવનાર અદ્દભુત કોઠાસુઝ ધરાવનાર AIMJF પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમણ ઑફિસર સાહેબને હાજર જનમેદનીના હર્ષોલ્લાસ અને તાળીઓના ગડગડાટ વચ્ચે રહેનુમા-એ-મેમણ કૌમ એવોર્ડ એનાયત કરાયો હતો.

આ સમારોહમાં જનાબ ઑફિસર સાહેબ ઉપરાંત રઝિયાબાઇ ચશ્માવાળા, અઝિઝ મચ્છીવાળા,શાકિર બાટલીવાળા, આસિફ અબ્બાજમા, ઇમરાન ક્રુટવાળા, હસીન અઘાડી, બાબાભાઇ સોપારીવાળા, શકિલ બાટલીવાળા, શેહરબાનુ ગુલ્લર, મૈમુના દરવેશ, નાઝિયા મિસ્ત્રી, તસ્નીમ મરચન્ટ, ઇરામ ઝવેરી,સગીર ડાંગે, અશફાક મેમણ, સિરાજ નવીવાળા, સલીમ મેમણ,સિકંદરભાઇ, વસઇ પી.આઇ. કાંબલે.મબસ્સીરા કર્નિચરવાળા, મુનવ્વર કર્નિચરવાળા, અશરફ ચશ્માવાળા, ઉમર ચશ્માવાળા, હા.રીયાઝ મેમણ,ફારૂક મેમણ, મરીયમ હિંગોરા, શાહિન લાકડાવાળા, નસીમા સુરતી, આબીદા ઝવેરી, યુસુફ સાકરવાળા, ડૉ. રજ્જાક હૉલી, આંસીફ કાસ, તૌફિક કાપડીયા, અનવર પેશોરી, સલીમ મરચન્ટ, અશરફ ચટાઇવાળા, ફરીદ ગીગાણી,ઇબ્રાહીમ જાડા, હનીફ વાસાવડવાળા, શફિ નિયામા, મન્સુર દરવેશ, અનવર માકડા,રૂખસાના નાગવદરિયા,મુમતાઝ પરફયુમવાળા, બાદશાહભાઇ તથા ફેડરેશન સી.ઇ.ઓ. અલ્તાફ હૉલી સામેલ

પ્રસ્તુતકર્તા : અઝિઝ મચ્છીવાળા ઓન.સેક્રેટરી-AIMJF)









HAJ UMRAH, INTERNATIONAL AIR TICKETING AND HOLIDAY PACKAGES



108-116, Noorani Patel Bldg., Dimtimkar Road, Nagpada, Mumbai - 400 008 (India) Phone: 2308 6909/23087016 Fax: 91-22-23089561

Emai.: anaholidays@hotmail.com holidaysana@gmail.com



AIMJF प्रतिनिधी

વર્તમાન ભારતીય મેમણ સમાજની એ ખૂબી બની રહી છે કે ઑલ ઇન્ડિયા મેમણ જમાત ફેડરેશનના વડપણ હેઠળ જનાબ ઇકબાલભાઇ ઑફિસરના સક્ષમ અને પ્રેરક નેતૃત્વમાં સમગ્ર દેશના અલગ અલગ શહેરો, કસ્બા અને ગામોમાં સ્થિત તમામ મેમણ જમાતો, સંગઠનો અને સંસ્થાઓમાં સમાજના સર્વાગી વિકાસ માટે ઉલ્લેખનીય જાગૃત્તિ જોવા મળી રહી છે. કોમના લોકો માટે ઉપયોગી અને આશીર્વાદરૂપ બને એવી વિવિઘ યોજનાઓ, ઉપલ્બ્ધીઓ અને કલ્પનાઓ સાકાર બની વાસ્તવીકતામાં આકાર પામી રહી છે. સમાજના દરેક વર્ગને પ્રેરણા, પ્રોત્સાહન, માર્ગદર્શન અને આર્થિક મોરચે સહાયતા માટે સમાજ સંસ્થાઓ સદૈવ કાર્યરત છે.

સમાજની આવી જ એક સેવાભાવી સંસ્થા ઝુલેખા મોતીવાલા સોશિયલ વેલ્કેર ચેરીટેબલ ટસ્ટ દ્વારા સ્થાનિક જમાતના સાથ સહયોગ સાથે નિર્માણ પામનાર વિવિધ સામાજિક સુવિધાઓ સભર ભવ્ય ઓયસ્ટર રેસીડેન્ટલ બિલ્ડીંગની સંગ-એ-બુનિયાદ તા. ૨૧/૦૨/૨૦૨૦ ને શુક્રવારના રોજ ઔરંગાબાદમાં મકવામાં આવી. આ ઇમારતમાં પ્રાથમિક તેમજ માધ્યમિક સ્કૂલ તેમજ હોસ્ટેલ બોર્ડિંગની સાથે હિફ્ઝ એકેડેમી, ર્^ગ સ્પોર્ટસ્ એકેડેમી વગેરેની સુવિધા ઉભી કરવામાં આવશે.સચિત ઇમારતની પાયાની સંગ-એ-બનિયાદ સાંજના સુમારે અસરની નમાઝ બાદ જામિયા ઇસ્લામિયા ઇશ્હાતુલ ઉલુમ, અક્કલકુવાના સ્થાપક જનાબ મૌલાના ગુલામ મોહમ્મદ રાન્દેરા(વસ્તાનવી) ના હાથે જનાબ ઇકબાલ મેમન ઑફિસર સહીત સ્થાનિક જમાતના તમામ આગેવાનો, શહેરના પ્રતિષ્ઠિત નાગરીકો મહેમાનો મહાનુભવોની હાજરી વચ્ચે મુકવામાં આવી.

આજે દિવસે રાત્રીના સુમારે ઔરંગાબાદ મેમણ સમાજની શિક્ષણ સંસ્થા પર્લ્સ એકેડેમી કેમ્પસ સ્કૂલનો છઠ્ઠો વાર્ષિકોત્સવ તથા ઇનામ વિતરણ કાર્યક્રમ યોજાયો હતો. વિશાળ જગ્યામાં ભરચક હાજરી સાથે યોજાયેલા આ ભવ્ય સમારોહમાં જનાબ ઑફિસર સાહેબના હાથે બાળકોને ઇનામો એનાયત કરવામાં

મંડળની ઔરગાંબાદ શહેરની મુલાકાત

આવ્યા. પર્લ્સ એકેડેમી તથા સ્થાનિક આગેવાનો દ્વારા ઇકબાલભાઇ તથા ફેડરેશન ટીમ તરફથી અત્રે પધારેલા મહેમાનો ને સન્માનીત કરાયા હતા.સમારોહમાં વિવિધ વકતાઓએ ફેડરેશન પ્રેસિડેન્ટના સમાજમાં શિક્ષણ પ્રત્યે રૂચિ અને વ્યાપ વધારવા માટે કરાયેલા પ્રયાસોને બીરદાવ્યા હતા તેમજ સમારોહમાં હાજર રહેવા બદલ આભાર વ્યક્ત કર્યો હતો.

આ અગાઉ અત્રે યોજાનારા સમારોહોમાં હાજરી આપવા માટે સંસ્થા તરફથી ખાસ અતિથિ તરીકે નિમંત્રીત ફેડરેશન પ્રેસિડેન્ટ જનાબ ઇકબાલ મેમન ઑફિસરની આગેવાની હેઠળ જો.સેક્રેટરી શાકિર બાટલીવાળા અને યુથવિંગ ચેરમેન ઇમરાન ફ્રુટવાળા સહીતની AIMJF ટીમના સ્વાગત માટે સ્થાનિક ઝોનલ સેક્રેટરી ઇલીયાસ ડાંગરા, ફેડરેશન મેરેજ બ્યુરો ચેરમેન



તથા નેશનલ એઝયુકીટીવ મેમ્બર ઇકબાલ છોટાણી તેમજ શહેર યુથવિંગના સભ્યો સ્ટેશન ઉપર ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.સવારે ૧૦ કલાકે જનાબઇકબાલ છોટાણીના નિવાસ્થાને નાસ્તાની દાવત સાથે મહેમાનોના સ્વાગતમાં નાનકડો સ્નેહમિલન કાર્યક્રમ યોજવામાં આવ્યો હતો.આ પ્રસંગે ઔરંગાબાદ હાલાઇ મેમણ જમાતના ઉપપ્રમુખ હા. રજ્જાક મોતીવાલા, AIMJF ઝોનલ સેક્રેટરી ઇલીયાસભા,રજ્જાક હન્દેકર તેમજ સ્થાનિક જમાતના સભ્યો અશરફ મોતીવાલા, ઇરફાન મોતીવાલા, અસલમ મોતીવાલા, ઇમરાન મોતીવાલા, ઇકરામ છોટાણી,નાસીર છોટાણી,આમીર છોટાણી, સુફિયાન મોતીવાલા, ફારફ હાજીનૂર,મો.સુલેમાન, અમ્માન, અઝલાન વગેરેએ હાજરી આપી હતી. AIMJF પ્રેસિડેન્ટ સહીત ફેડરેશન ટીમનો ભવ્ય આદર સત્કાર કરવામાં આવ્યો.

ત્યાર બાદ ૧૧-૩૦ કલાકે સિદીકભાઇ

મોતીવાલાને ત્યાં જનાબ ઇકબાલભાઇ ઑફિસરની અધ્યક્ષતામાં ઔરંગાબાદ હાલાઇ મેમણ જમાતની મિટીંગ યોજાઇ હતી. જમાત પ્રેસિડેન્ટ યુનુસ મોતીવાલા, સેક્રેટરી ઇકબાલ ઘામીયા, શહેર સમાજ સેવક સિદીક મોતીવાલા વગેરે દ્વારા જનાબ ઑફિસરસાહેબ, શાકિરભાઇ તથા ઇમરાન ફ્રુટવાળાનું શાલ ઓઢાડી તેમજ પુષ્પગુચ્છ અર્પણ કરી સ્વાગત કરાયું. આ મિટીંગમાં સ્થાનિક જમાતના પ્રશ્નો, ભવિષ્યની યોજનાઓ તેમજ AIMJF સાથે મળી વધુ સક્ષમ રીતે કામ કરવા અંગે ચર્ચા વિચારણા કરવામાં આવી.

બપોરે ૧૨-૩૦ કલાકે મશીલા મકસુદ નવીવાલાના નિવાસ્થાને AIMJF મહિલા મંડળ (લેડીઝ વિંગ)ની નોંધપાત્ર હાજરી સાથે બેઠક યોજાઇ હતી.બેઠકમાં ફેડરેશનની મહિલા ઉત્કર્ષની નીતીનો ઉલ્લેખ કરી સમાજની બહેન-દિકરીઓને પગભર બનાવવા, મેરેજ બ્યુરો તથા મહિલા કેળવણી અને સંતાનોના દીની તેમજ દુન્યવી શિક્ષણ પ્રત્યે સજાગ બનવા તથા લગ્ન અને અન્ય પ્રસંગોએ ફુઝુલ ખર્ચાઓ અટકાવી એ રકમનો ગરીબ પરિવારોના સંતાનો લગ્નમાં મદદરૂપ થવા માટે ફાળવવા સમાજના માલેનુજાર સદસ્યોને પ્રેરીત કરવા માટે આગળ આવવા ઉપર ભાર મુકાયો હતો.

જુમ્આની નમાઝ પછી અશરફ મોતીવાલા ના નિવાસ્થાને સત્કારભોજનું આયોજન કરાયું હતું.ઔરંગાબાદ ખાતે આજે યોજાયેલા કાર્યક્રમોમાં શહેર અને સમાજના વિવિધ ક્ષેત્રોના અગ્રણીઓ સાથે જનાબ મુક્તી અશ્ફાક, આતીક મોતીવાલા, મો.યાકુબ, મો. આસિફ, અમીન કપ્તાન, મજીદ મોતીવાલા, ઇકબાલ વાલોડીયા, શફિ બોચીયા, અમીન જેતપુરવાળા, રફીક નમકવાળા, યુસુફ પોપટીયા, ફારૂક વલ્યાણી વગેરે હાજર રહ્યા હતા.

> પ્રસ્તુતકર્તા : શાકિર બાટલીવાળા જો.સેક્રેટરી-AIMJF)



Kader Memon Yakub Memon

©: 2343 2756 23432757 40057150

Mob: 9833143214 9769422686

Intercom No.: 0706







72/74, Sutar Chawl, Karim Building, 1st Floor, Room No.7, Opp. Suryamani Shopping Centre, Mumbai - 400 002 Email: akbelthouse@gmail.com





A S MOTIWALA



Showroom:

Manek Manor, 72, Hill Road, Next to Lakme Studio,

Bandra (West), Mumbai - 400 050. INDIA

T: (+91-22) 26558585 | F: (+91 22) 26558081 | M: 7045154515 E: info@asmotiwala.com | W: asmotiwala.com | f.com/asmotiwala

• Mumbai







- Hyderabad
- Goa
- Chennai

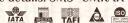




SURAT: +91 75063 96222 | BHAVNAGAR: +91 94277 65230 | AHMEDABAD: +91 93211 07860 VARANASI: +91 96969 94787 | KOLKATA: +91 98300 28786 | SRINAGAR: +91 94190 15558 MUMBAI HEAD OFFICE: 57, Clare Road, Picadilly Flats, Byculla, Mumbai - 08 | T.: +91 22 2301 1111

Silver Tents-Arafat

E: contact@alkhalidtours.com | W: www.alkhalidtours.com www.facebook.com/alkhalidtours | www.instagram.com/alkhalidtours For more details: SMS "UMRAH" to 56767



यह मासिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक शमीम ऐजाज हूदा व मालक मेमन फाउंडेशन इन्होंने मास्टर आफसेट प्रा. लि., 124 प्रगति ईडस्ट्रीयल ईस्टेट, एन.ऐम. जोशी मार्ग, मुंबई-400 011. से छपवाकर, मेमन टाइम्स ऑफिस 87, E मोहम्मद अली रोड मुंबई 400003 से प्रकाशित किया। Tel: 022-23456087 Mob.: 9022224548/49, Email: memontimes@hotmail.com RNI: MAHMUL/2017/72609

Silver Tents-Mina